04 - भाजपा की पैंतालीसवीं वर्षगांठ : मोदीजी के नेतृत्व में फिर खिलेगा कमल

05 - वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 06 अप्रैल, 2024

06- जेईई और नीट की तैयारी के लिए सही स्ट्रेटेजी जरूरी

07- अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 209 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

पतंजलि के खिलाफ शिकायतों पर सरकारों के रुख से सुप्रीम कोर्ट नाराज क्यों?

फ़ैसल मोहम्मद अली

ठीक ऐसे वक्त में जब दवाइयों के भ्रामक प्रचार को लेकर हंगामा मचा है और पतंजलि का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, केंद्र सरकार उस क़ानून को ही समाप्त करने जा रही है जिसके तहत इस तरह के प्रचार-प्रसार को रोका जा सकता है। साथ ही, उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार के सीधे निर्देश के बावजूद पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में उन नियमों का सहारा नहीं लिया जिसके तहत कंपनी के खिलाफ़ कार्रवाई हो सकती थी। राज्य सरकार ने कार्रवाई को सिर्फ नोटिस भेजने तक सीमित रखा। ये बातें पतंजलि केस के संबंध में शिकायतकर्ता और केंद्र सरकार के बीच हुए पत्राचारों, आरटीआई में मिले जवाबों और दूसरे दस्तावेज़ों के माध्यम से सामने आई हैं।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने साल 2023 में अगस्त में राज्यों के संबंधित विभागों में चिट्ठी भेजकर कहा है कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स कानून की धारा उससे संबंधित प्रावधानों को हटाने के लिए अधिसूचना जारी की जाएगी। चिट्ठी में आयुष मंत्रालय ने क़ानून की अधिसूचना में वक्त लगने की बात कही है मगर साथ ही राज्यों को ये निर्देश भी दिया है कि वो इस क़ानून के तहत किसी तरह की कार्रवाई न करें। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक क़ानून की धारा 170 किसी दवा के फायदे को बढ़ा-चढ़ाकर बताने वाले विज्ञापनों पर रोक लगाती है। धारा 170 को क़ानून में साल 2018 में शामिल किया गया था। मगर अब सरकार भ्रामक प्रचारों पर रोक लगाने वाले सेक्शन को ख़त्म करने की प्रक्रिया में है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नेत्र विशेषज्ञ डॉ. बाबू केवी के अनुसार, ये 'इंडस्ट्री के दबाव का असर' है। सेक्शन 170 के विरुद्ध आयुर्वेदिक कंपनियों का एक समूह हाई कोर्ट चला गया था।

कुन्नूर के रहने वाले डॉ. बाबू केवी ने पतंजलि के खिलाफ़ आईएमए के केस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईएमए यानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मॉर्डन मेडिसिन्स (एलोपैथी) और उससे संबंधित डॉक्टरों का समूह है और देश भर में इसकी शाखाएं मौजूद हैं। पतंजलि के मामले में ये बात भी सामने आई है कि जहाँ केस दाखिल करने वाली संस्था आईएमए इस मामले में ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ (1954) क़ानून के तहत कार्रवाई की मांग कर रही थी। वहीं, उत्तराखंड सरकार एक दूसरे कानून (ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट) के तहत बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की कंपनी के खिलाफ धारा 170 के तहत भी नोटिस भेजती रही। राज्य सरकार की लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने केंद्रीय आयुष मंत्रालय की हिदायत के बावजूद मामले में सीधे तौर पर उन क़ानूनों का सहारा नहीं लिया, जिसके तहत कड़ी कार्रवाई संभव हो सकती थी। केंद्र ने भी इस मामले में अपना रुख़ बहुत देर से फ़रवरी, 2023 में साफ़ किया था जबकि पतंजलि के विरुद्ध ये शिकायत सालों से जारी थीं।

उत्तराखंड सरकार को भेजे गए एक जवाब में दिव्य फार्मेसी (पतंजलि) ने कहा कि धारा 170 को लेकर मुंबई हाई कोर्ट ने किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा रखी है। हालांकि दिव्य फार्मेसी ने ये भी कहा कि नोटिस के बाद वो अपने विज्ञापनों पर रोक लगा रही है, मगर कुछ दिनों की रोक के बाद कंपनी इस तरह के विज्ञापन दोबारा छपवाने लगी। दिव्य फार्मेसी दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट की एक यूनिट है जो पतंजलि से संबंधित है।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले केस की सुनवाई करते हुए कंपनी के विरुद्ध हुई ढीली-ढाली कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार और राज्य शासन पर कड़ी टिप्पणियां की हैं। अदालत ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण से कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है, और हफ़्ते भर के अंदर हलफ़नामा दाखिल कर अदालत की अवमानना मामले में जवाब देकर बताने को कहा कि उनके खिलाफ़ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए। दोनों को अगली सुनवाई 10 अप्रैल को कोर्ट में हाज़िर रहने का हुक्म भी सुनाया गया है।

पिछले साल नवंबर में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को भ्रामक प्रचार पर रोक लगाने को कहा था जिसको लेकर कंपनी की ओर से रजामंदी भी जताई गई थी लेकिन उसके ठीक बाद बाबा रामदेव ने न सिर्फ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया बल्कि इसी तरह का प्रचार बाद में कंपनी की तरफ़ से जारी हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार पर भी सवाल उठाते हुए कहा है, 'केंद्र ने मामले में आंखें क्यों बंद करके रखीं जबकि पतंजलि हर ओर ये बात फैला रहा था कि एलोपैथी में कोविड का कोई इलाज नहीं।'

सुप्रीम कोर्ट पतंजलि से जुड़ी दिव्य फार्मेसी के खिलाफ़ सुनवाई कर रहा है। इन विज्ञापनों में ब्लड प्रेशर से लेकर, थॉयरायड, जिगर और चमड़े की बीमारियों को पूरी तरह से ठीक होने का दावा किया गया था, साथ ही आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की आलोचना की गई थी।

कोरोनिल की लॉन्चिंग के समय रामदेव के साथ मंच पर हर्षवर्धन और नितिन गडकरी मौजूद थे। कोरोना के इलाज की कथित दवाई कोरोनिल को लेकर भी बाबा रामदेव की कंपनी ने कई तरह के दावे किए थे और विश्व स्वास्थ्य संगठन तक से हरी झंडी मिलने की बात कही गई थी। हालांकि डबल्यूएचओ ने ऐसी कोई मान्यता देने की बात से साफ़ इनकार कर दिया था। आईएमए ने इस मामले में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी को लेकर सवाल भी खड़े किए थे।

योग गुरु रामदेव 2010-11 में चले भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के दिनों में सक्रिय रहे थे और कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार लगातार उनके निशाने पर रही थी। आईएमए के पूर्व सेक्रेटरी जनरल डाक्टर जयेश लेले ने कहा कि इस तरह के भ्रामक विज्ञापनों का सिलसिला लंबे समय तक जारी रहा, तभी हमने पहले तो पुलिस में अलग-अलग जगहों पर शिकायतें कीं जो कई जगह एफ़आईआर में तब्दील हुईं और फिर हमने अगस्त 2022 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया।मेज डाक्टर केवी बाबू ने कहा कि रिकॉर्ड बताता है कि पतंजलि नियामक प्राधिकरणों के आदेशों की बार-बार अनदेखी करता रहा है। लाइसेंससिंग अथॉरिटीज़ भी किसी कारण उनके साथ सख़्ती से पेश नहीं आतीं और नोटिस जारी कर मामले को रफ़ा-दफ़ा कर देती हैं। भ्रामक विज्ञापनों के मामले में पहली ग़लती पर छह माह की जेल और जुर्माने की सज़ा हो सकती है। दोबारा इसी तरह का मामला सामने आने पर सज़ा दोगुनी करने यानी एक साल जेल और जुर्माने का प्रावधान है। मगर पतंजलि के केस में अदालत की अवमानना की बात भी सुप्रीम कोर्ट ने कही है और बाबा रामदेव और आचार्य बालाकृष्ण को इस मामले में भी दोषी पाए जाने पर सज़ा मिल सकती है।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

एक तस्वीर दिखती है
नदी किनारे
बसे गांव की
गांव की गली में
एक नांव औंधी पड़ी थी
गली एकदम सूनी है
बीच चौराहे पर
रेत से ठसाठस भरी
एक नांव रखी है
गांव में सन्नाटा पसरा है
अभी अभी मालूम पड़ा–
नदी की मौत हो गई है
कहने को
छोटी ही सही
गांव के पास अपनी एक
नदी तो थी।

– अरुण सातले

मोदी बोले-कांग्रेस ने राम मंदिर पर एडवाइजरी जारी की

अपने लोगों से मुंह पर ताला लगाने को कहा, उन्हें लगता है कि राम का नाम लिया तो राम-राम न हो जाए

चूरू (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में हमने कई काम किए हैं, लेकिन ये बहुत कम है। अभी तक जो मोदी ने किया है, वो तो सिर्फ बड़ी होटलों में मिलने वाला स्टार्टर (एपेटाइजर) है, अभी तो खाने की पूरी थाली बाकी है। उन्होंने तीन तलाक पर कहा कि यह कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है। वे यह समझें कि यह तीन तलाक आपके जीवन पर तो खतरा था ही, मोदी ने आपकी रक्षा तो की है, लेकिन मोदी ने हर मुस्लिम परिवार की भी रक्षा की है। प्रधानमंत्री ने राममंदिर, भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर कांग्रेस व विरोधियों को घेरा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने तो राममंदिर पर एडवाइजरी जारी की है। अपने लोगों से मुंह पर ताला लगाने को कहा है। उन्हें लगता है कि भगवान राम पर कुछ बोला तो कहीं राम-राम न हो जाए। चूरू से भाजपा ने पैरालंपियन देवेंद्र झाझड़िया को उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर हाल ही में पार्टी का दामन थामने वाले राहुल कस्वां को टिकट दिया है। मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से कहा- मैं

सार्वजनिक रूप से आपसे प्रार्थना करता हूं। चुनाव का समय है। सबके अपने काम है। इनके मन में रहता है कि प्रधानमंत्री आएं और हम नहीं जाएंगे तो कैसा लगेगा। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि आप मेरी चिंता छोड़ दीजिए। मेरे हर कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं को दौड़ने की जरूरत नहीं है। कोई छोटा कार्यकर्ता भी रहेगा तो चलेगा। मोदी भी छोटा है, उसके बगल में ही बैठ जाएगा। मोदी ने कहा कि आपमें से बहुत कम लोगों को पता है कि देवेंद्र झाझड़िया और मेरा बहुत पुराना नाता है। मैं जब पहली बार उनसे मिला तो उनकी मां की बातें मेरे मन को छू गई। मुसीबतों से गुजारा करने वाली मां अपने बेटे को देश की सेवा के लिए प्रेरित करती है। देवेंद्र ने भारत का सम्मान बढ़ाया है। देवेंद्र को टिकट देने के पीछे मोदी का मकसद यही था कि गरीब मां के सपने पूरे होने चाहिए। हिंदुस्तान के खेल जगत के बेटे-बेटियों को प्रोत्साहन मिले। इसका प्रतीक देवेंद्र झाझड़िया है। देवेंद्र ने सिर्फ गरीबी से लड़ाई नहीं लड़ी, दुनिया में देश का डंका बजाया।

अब माता-पिता का धर्म बताए बिना नहीं होगा बच्चे का बर्थ रजिस्ट्रेशन

● जन्म पंजीकरण में नए नियम में माता-पिता के धर्म का दर्ज करवाना अनिवार्य ● 2023 में संशोधित किया गया नियम, अब जोड़े गए हैं कुछ नए-नए कॉलम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बर्थ रजिस्ट्रेशन (जन्म पंजीकरण) का नया नियम लागू हो गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने की तरफ से जारी नए नियम के मुताबिक, अब बच्चे का बर्थ

रजिस्ट्रेशन कराते समय पिता और माता दोनों को अपना-अपना धर्म भी रिकॉर्ड करवाना होगा। राज्य सरकारों को इन नियमों का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। पहले बर्थ रजिस्टर में केवल परिवार का धर्म दर्ज किया जाता था। अब अपडेट किए गए फॉर्म नंबर 1 बर्थ रिपोर्ट में बच्चे के धर्म के साथ पिता का धर्म और माता का धर्म के लिए भी कॉलम शामिल किए गए हैं। यही नियम गोद लेने वाले माता-पिता के लिए भी लागू होगा। 11 अगस्त, 2023 को संसद से पारित जन्म एवं मृत्यु पंजीकर (संशोधन) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय स्तर पर जन्म और मृत्यु का डेटाबेस मेंटेन किया जा रहा है। इसका उपयोग राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी, मतदाता पंजीकरण, आधार नंबर, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जैसे दूसरे डेटाबेस को अपडेट करने के लिए किया जाएगा। केंद्र के सरकार के पोर्टल सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम के जरिए जन्म और मृत्यु का डिजिटल रजिस्ट्रेशन अब अनिवार्य हो गया है। इससे शैक्षणिक संस्थानों में एडमिशन सहित विभिन्न सेवाओं के लिए डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र जारी करना आसान हो गया है।

अमेरिका की 'धमकी' से उड़े इजरायल के होश

● छह महीने बाद गाजा के साथ क्रॉसिंग खोला, फिलिस्तीनियों तक पहुंचेगी मदद

यरूशलम (एजेंसी)। इजराइल ने शुक्रवार को कहा कि वह गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें बुरी तरह प्रभावित उत्तरी गाजा की एक सीमा को फिर से खोलना भी शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से उन्हें यह कहे जाने के कुछ घंटे

बाद की कि गाजा में युद्ध के लिए भविष्य का अमेरिकी समर्थन नागरिकों और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए इजराइल की ओर से और अधिक कदम उठाए जाने पर निर्भर करेगा। इजराइली घोषणा में यह नहीं बताया गया कि किन वस्तुओं को आने दिया जाएगा और किस मात्रा में आने दिया जाएगा। मतभेदों के बावजूद, बाइडेन प्रशासन ने हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध के लिए इजराइल को महत्वपूर्ण सैन्य सहायता और राजनयिक समर्थन प्रदान करना जारी रखा है। गाजा में भोजन पहुंचाने में मदद करने वाले सात सहायता कर्मियों के मारे जाने के बाद इजराइल को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को फलस्तीन में मरने वालों की संख्या 33,000 से अधिक हो गई।

सीएम मोहन यादव बोले-

अन्याय के पहाड़ पर बैठी है कांग्रेस, घोषणा पत्र को 'न्याय पत्र' कहना शोभा नहीं देता

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेजी से बढ़ रही है। एमपी में पहले चरण के चुनाव में 6 सीटों छिंदवाड़ा, जबलपुर, बालाघाट, मंडला, शहडोल और सीधी में 19 अप्रैल को मतदान होगा। छत्तीसगढ़ में पहले चरण में बस्तर लोकसभा सीट पर मतदान होगा। उधर दूसरे चरण के लिए भी नामांकन का दौर जारी है। दोनों प्रदेशों में प्रत्याशियों के साथ स्टार प्रचारक भी प्रचार के लिए मैदान में उतर गए हैं।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर बोले सीएम मोहन यादव– मोहन यादव ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कहा कि अन्याय के पहाड़ पर बैठी कांग्रेस का अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कहना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने स्वयं कहा था कि मैं एक रुपया भेजता हूं तो जनता तक 15 पैसा पहुंचता है, जबकि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हितग्राहियों के हक का पूरा पैसा सीधे उनके खाते में पहुंच रहा है।

पीएम मोदी लोगों की जिंदगी बदलने का अभियान चला रहे हैं– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हम चुनाव नहीं लड़ रहे, लोगों की जिंदगी बदलने का अभियान चला रहे हैं। विपक्ष के लोग कह रहे हैं कि हम संविधान बदलने की बात कर रहे हैं। संविधान में अगर 370 जैसी गलत धारा थी, उसे बदलना चाहिए तो उसे कश्मीर की बेहतरी के लिए बदलकर दिखाया। मुझे इस बात की प्रसन्नता है। किसान, युवा, गरीब मजदूर सबकी जिंदगी बदलना, उनके जीवन में खुशहाली लाने की दिशा में मोदी सरकार काम कर रही है। यह बात गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कही।

स्थापना दिवस पर आज बूथ स्तर पर पार्टी का ध्वज फहराएगी भाजपा– भाजपा के स्थापना दिवस पर छह अप्रैल को प्रदेश के सभी बूथों पर भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया जाएगा एवं पार्टी का ध्वज फहराया जाएगा। पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश एवं जिला कार्यालयों पर विशेष सजावट की जाएगी। हर बूथ पर प्रवासी कार्यकर्ता पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी का गौरवशाली अतीत, विस्तार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार द्वारा देश व प्रदेश के विकास और गरीब कल्याण की योजनाओं में बारे में बताएंगे।

केरल सीएम की अपील

टीवी पर द केरल स्टोरी न दिखाएं

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दूरदर्शन चैनल पर विवादित फिल्म द केरल स्टोरी का टेलीकास्ट करने के फैसले की निंदा की है। उन्होंने ब्रॉडकास्टर से फिल्म की स्क्रीनिंग रोकने को कहा है। पिनाराई ने गुरुवार (4 अप्रैल) को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह लोकसभा चुनावों से पहले केवल सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाएगा। उन्होंने दूरदर्शन से यह भी कहा कि वह भाजपा और ~~आरएस~~ के लिए प्रचार मशीन न बने। दरअसल, दूरदर्शन ने आज यानी 5

अप्रैल को रात 8 बजे इस फिल्म को टेलीकास्ट करने का फैसला किया है। यह फिल्म 5 मई 2023 को रिलीज हुई थी। उस समय भी राज्य की लेफ्ट पार्टी ने विरोध किया था। सीपीआई (एम) के राज्य सचिवालय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने विवादास्पद फिल्म को प्रदर्शित करने का फैसला किया क्योंकि आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं। साथ ही यह भी कहा कि बीजेपी अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि भगवा पार्टी केरल में पैठ बनाने में असमर्थ थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 06 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

स्कूली बच्चे अब नहीं पढ़ेंगे बाबरी विध्वंस की घटना

गुजरात दंगों का जिक्र भी किताबों से हटा,एनसीईआरटी ने फिर सिलेबस में किया बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी ने 11वीं, 12वीं क्लास की किताबों में एक बार फिर बदलाव किया है। इस बार किताबों से अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस, गुजरात दंगों में मारे गए मुसलमानों की जानकारी और मणिपुर का संदर्भ हटा दिया गया है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख को स्पष्ट किया गया है। एनसीईआरटी द्वारा किए गए ये बदलाव अभी ऑनलाइन किताबों में रिफलेक्ट नहीं हुए हैं, मगर सूत्रों का कहना है कि किताबों को भी जल्द ही अपडेट किया जाएगा। इस मामले पर एनसीईआरटी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले के चलते अयोध्या मुद्दे पर चैप्टर को पूरी तरह से संशोधित किया

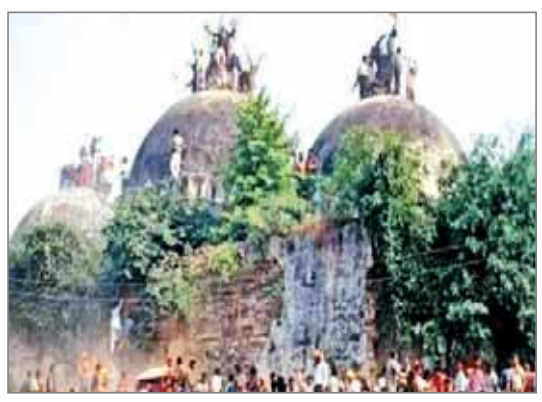

गया है। कक्षा 11 की पॉलिटिकल साइंस की किताब में डेमोक्रेटिक पॉलिटिक्स-ए के चैप्टर 5 में से गुजरात दंगों का जिक्र हटा दिया गया है। मौजूदा किताब में पेज 86 पर लिखा है; क्या आपको इस पेज पर समाचार कोलाज में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का संदर्भ दिखाई देता है। ये संदर्भ मानव अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरुकता और मानवीय गरिमा के लिए संघर्ष को दर्शाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में मानवाधिकार उल्लंघन के कई मामले, जैसे गुजरात दंगे, पूरे भारत से नोटिस में लाए जा रहे हैं। नई किताब में पेज 86 पर लिखा होगा; भारत भर से विभिन्न क्षेत्रों में मानवाधिकार उल्लंघन के कई मामले सार्वजनिक नोटिस में लाए जा रहे हैं।

चीन की नई चाल से पूरी दुनिया में मची खलबली

- अमरीका समेत दुनियाभर की इंडस्ट्री पर खतरे का साया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश चीन इन दिनों आर्थिक मोर्चे पर कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। देश की इकॉनमी की रीढ़ माने जाने वाला रियल एस्टेट सेक्टर एक तरह से डूब गया है। चीन की जीडीपी में इसकी करीब 30 फीसदी हिस्सेदारी है। रियल एस्टेट के डूबने से पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी भरपाई के लिए चीन ने अब दूसरा रास्ता पकड़ लिया है। चीन तेजी से इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने में काम आने वाले कलपुर्जे और सोलर पैनल बना रहा है। चीन में जितनी डिमांड है, उससे दोगुना ज्यादा उत्पादन किया जा रहा है। अमेरिका समेत पूरी दुनिया के बाजारों में इस माल को खपाया जा रहा है। इसके लिए इंडस्ट्री को भारी सब्सिडी दी जा रही है। चीन की यात्रा पर पहुंची अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने भी चेतावनी दी है कि इंडस्ट्री के लिए बीजिंग की सब्सिडी दुनिया के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

संक्षिप्त समाचार

महागठबंधन में शामिल हुए 'सन ऑफ मल्लाह' मुकेश सहनी

- आरजेडी ने वीआईपी को अपने कोटे से दीं 3 सीटें

पटना (एजेंसी)। बिहार में आरजेडी के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को महागठबंधन में शामिल कर लिया है। इसी के साथ तेजस्वी यादव ने अपने खाते की तीन सीट भी मुकेश सहनी को दी है। मुकेश सहनी को गोपालगंज, झंझारपुर और मोतिहारी की सीट दी गई है। तीन सीट मुकेश सहनी के पास जाने के बाद अब राजद के पास 26 में से 23 सीट बची है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम

तेजस्वी यादव ने मुकेश साहनी को महा गठबंधन में शामिल करते हुए राजद दफ्तर में इसका औपचारिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मुकेश सहनी के आने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। पटना के आरजेडी कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुकेश सहनी की मौजूदगी में वीआईपी को दी जाने वाली सीटों की घोषणा की। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए यह गठबंधन हुआ है और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन जारी रहेगा। इस मौके पर तेजस्वी यादव-मुकेश सहनी ने एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा।

आप नेता सिसोदिया बोले

जल्दी ही बाहर मिलेंगे

- जमानत पर सुनवाई से एक दिन पहले चिट्ठी सामने आई, कहा-लव यू ऑल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में 26 फरवरी 2023 से जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तिहाड़ से अपने विधानसभा क्षेत्र पटपड़गंज के लोगों को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा- जल्द ही बाहर मिलेंगे। शिक्षा क्रांति जिंदाबाद, लव यू ऑल। मनीष सिसोदिया ने यह चिट्ठी 15 मार्च को लिखी थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इसे अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर आज 5 अप्रैल को जारी किया। सिसोदिया ने कहा- अंग्रेजों को भी अपनी ताकत का बहुत ज्यादा

घमंड था। अपनी सत्ता के दम पर वे जिसे चाहते उस पर झूठे आरोप लगाकर जेल में डाल देते थे। सिसोदिया ने कहा- जिस तरह अंग्रेजों की तानाशाही के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़कर आजादी का सपना सच हुआ था। उसी तरह देश के हर एक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलने का सपना भी जरूर पूरा होगा। सिसोदिया की जमानत पर 6 अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होनी है। अंग्रेजों ने सत्ता के अहंकार में डूबकर गांधी जी को भी कई बार, कई वर्षों तक जेल में डालकर रखा था, लेकिन इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी जैसे संत पर झूठे आरोप लगाए।

कश्मीर में जमीन खरीदने वाला पहला राज्य बना महाराष्ट्र

- पर्यटकों के लिए बनेगा गेस्ट हॉउस और घूमने के लिए रुक सकेंगे लोग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में 2.5 एकड़ जमीन खरीदने वाला है, ऐसा करने वाला यह पहला राज्य है। यहां पर्यटकों के लिए गेस्ट हाउस और राज्य भवन बनेगा, जिस पर लगने वाली लागत 18.16 करोड़ है। महाराष्ट्र सरकार यह जमीन श्रीनगर के बाहरी इलाके श्रीनगर के बाहरी इलाके बडगाम में खरीदेगी। महाराष्ट्र अपने पर्यटकों के लिए पर्यटक सुविधा का लक्ष्य के रखकर जम्मू और कश्मीर में जमीन खरीद कर इतिहास रचने के लिए तैयार है। यह पहल, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। जमीन खरीदने की यह प्रक्रिया पिछले वर्ष जून में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की केंद्र प्रदेश की यात्रा के बाद शुरू हुई थी, जहां उन्होंने राज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ चर्चा की थी। आर्टिकल 370 के निरस्त होने से पहले, पूर्व राज्य में जमीन खरीदना केवल जम्मू और कश्मीर के स्थायी निवासियों तक ही सीमित था। लेकिन, सरकार के पास बिजनेस इंडस्ट्री और सामान्य व्यक्तियों को 99 साल के टाइम पीरियड तक के लिए जमीन लीज पर देने का अधिकार था। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने बजट स्पीच में श्रीनगर और अयोध्या में दो महाराष्ट्र भवन बनने की प्लानिंग शेयर की थी।

भोजशाला में खुदाई में मिली तीन सीढ़ियां

हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बोलीं- नीचे तहखाने में जाने का रास्ता मिल सकता है

धार (नप्र)। भोजशाला में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया का शुक्रवार को 15वां दिन था। टीम ने सुबह 6 बजे परिसर में प्रवेश किया। जुमे की नमाज से पहले टीम करीब 12 बजे बाहर आ गई। आज रमजान माह का तीसरा शुक्रवार है। भोजशाला परिसर में नमाज पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे हैं।

भोजशाला के मुख्य भवन के आसपास कुल 13 स्थानों पर टैंच से चिह्नित किया गया था, जिसमें से अभी 3 स्थानों पर ही मिट्टी हटाने का काम हो रहा है। वकील रंजना अग्निहोत्री ने बताया कि पश्चिमी दीवार पर जो पिलर बेस मिला था, उसकी वॉशिंग क्लीनिंग हो गई है। उत्तरी दीवार से सटी हुई जो सीढ़ियां मिली थीं, अंदाजा लगाया जा रहा है कि नीचे तहखाना मिलने की संभावना है। एक वॉल भी मिली है। तीन सीढ़ियां एकदम क्लियर मिली हैं। सर्वे के दौरान जो उपकरण उपयोग में लिए जा रहे हैं, उसमें लोहे की कंघी है। प्लास्टिक की कंघी है। प्लास्टिक के ब्रश, छोटी झाड़ू भी है। जरूरत के हिसाब से फावड़े से खुदाई कर रहे हैं। छोटे-छोटे पाइप हैं, जिससे धुलाई भी की जा रही है। वॉशिंग, क्लीनिंग और ब्रशिंग के साथ ही केमिकल की मदद भी ली जा रही है।

सर्वे पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज- वकील रंजना अग्निहोत्री ने बताया कि मुस्लिम समाज ने सर्वे पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा- इंदौर हाई कोर्ट के समक्ष याचिका लगी है, वहां पर जवाब फाइल करें।

पिलर बेस मिला, इसका नामकरण होगा- तीन दिवसीय दौरे पर आई हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री का आज धार में अंतिम दिन है। गुरुवार को पूरे दिन अभिभाषक अग्निहोत्री अंदर रही थीं, उन्होंने पिलर बेस मिलने की पुष्टि करते हुए बताया था कि उसका नामकरण होगा, यह एएसआई ही तय करेगी उसका पीरियड क्या है वह कार्बन डेटिंग से ही पता चलेगा। ऐसे में कार्बन डेटिंग के बाद कई चीजें स्पष्ट होने की उम्मीद है।

सर्वे पर रोक की मांग वाली दूसरी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई- भोजशाला परिसर में एएसआई सर्वे पर रोक से सुप्रीम कोर्ट के इनकार के बाद 5 अप्रैल को एक और याचिका दाखिल कर दी गई। धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा कि 8 से 9 याचिकाएं लगी हैं। आज की याचिका काजी मोइनुद्दीन की ओर से लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने को कहा है।

दूसरी याचिका एसएलपी पेश की गई थी, जिस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। इस पर कोर्ट ने कहा- हमारी परमिशन के बिना एएसआई कोई काम नहीं करेगा। किसी तरह की खुदाई नहीं करेगा। सर्वे रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बिना ओपन नहीं किया जाएगी। इससे पहले सोमवार 1 अप्रैल को दूसरी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, लेकिन हमारी इजाजत के बिना एएसआई रिपोर्ट के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

यूपी के 16 हजार मदरसों से टल गया संकट

- सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी एचसी के फैसले पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश मदरसा एजुकेशन ऐक्ट को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने मदरसा संचालकों की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मदरसा ऐक्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह असंवैधानिक है और सेकुलरिज्म के खिलाफ है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने इस मामले में केंद्र सरकार और यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी इस बेंच में शामिल थे। बेंच ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य नियामक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह कहना पहली नजर में ठीक नहीं है कि मदरसा एजुकेशन बोर्ड का गठन करना सेकुलरिज्म के खिलाफ है। बता दें कि बीते सप्ताह ही इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी

सरकार को आदेश दिया था कि वह मदरसे के छात्रों को आम स्कूलों में ट्रांसफर करे और उनका नामांकन कराए। इलाहाबाद हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा था कि सरकार के पास यह पावर नहीं है कि वह धार्मिक शिक्षा के लिए बोर्ड का गठन करे। इसके अलावा सरकार स्कूली शिक्षा के लिए किसी ऐसे बोर्ड का भी गठन नहीं कर सकती, जिसके तहत किसी खास मजहब और उसके मूल्यों की ही शिक्षा दी जाती हो। हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ मदरसा अजीजिया इजाजुतूल उलूम के मैनेजर अंजुम कादरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले 22 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने यूपी मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था। इसके बाद यूपी में संचालित किए जा रहे करीब 16 हजार मदरसों की मान्यता को योगी सरकार ने खत्म कर दिया था।

भारतीय सेना का एयर डिफेंस हुआ और मजबूत

- आकाशतीर सिस्टम अब करेगा हिफाजत, हांफने लगे दुश्मन

देश भर में आपात हवाई पट्टियों का जाल बिछाने की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अपनी ताकत को और ज्यादा बढ़ाने की कोशिशों में लगातार जुटी हुई है। इसी कड़ी में, सेना ने एयर डिफेंस को मजबूत के लिए प्रोजेक्ट आकाशतीर के तहत कंट्रोल एंड रिपोर्टिंग सिस्टम को शामिल करना शुरू कर दिया है। इस सिस्टम की तैनाती गुरुवार को बीईएल गाजियाबाद से कंट्रोल सेंटर्स के पहले बैच को हरी झंडी दिखाने के साथ शुरू हुई। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की ओर से यह तकनीक विकसित की गई है। इस प्रोजेक्ट का मकसद सेना के वायु रक्षा तंत्र की ऑपरेशन क्षमता को बढ़ाना है। एक सूत्र ने कहा, आकाशतीर प्रोजेक्ट एक अत्याधुनिक पहल है जिससे पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने का लक्ष्य है। इसे एयर डिफेंस कंट्रोल एंड रिपोर्टिंग प्रोसेस को ऑटोमेटिक करने के लिए डिजाइन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय ने बीईएल के साथ इस सिस्टम को डेवलप करने के लिए 1982 करोड़ रुपये का करार किया था। इस एयर डिफेंस सिस्टम में सेंसर और रडार नेटवर्क लगे हुए हैं, जो दुश्मन के विमान को लेकर तुरंत अलर्ट जारी करते हैं।

6 साल बाद जेल से बाहर आएंगी दलित एक्टिविस्ट

- शोमा सेन को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत, मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भीमा कोरेगांव केस की आरोपी प्रोफेसर शोमा सेन को जमानत दे दी है। वो 6 जून 2018 से जेल में बंद थे। शोमा सेन नागपुर विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर हैं। उन पर भीमा कोरेगांव मामले के संबंध में कथित माओवादी संबंधों के लिए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम 1967 (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शोमा सेन जमानत की अवधि के दौरान स्पेशल कोर्ट को सूचना दिए बगैर महाराष्ट्र से बाहर नहीं जा सकेंगी। उन्हें अपने मोबाइल नंबर के बारे में जानकारी देनी होगी। गौरतलब है कि साल 2018 में पुणे पुलिस ने भीमा-कोरेगांव जातीय हिंसा के मामले में कई गिरफ्तारियां की थीं। शोमा सेन के अलावा सुरेंद्र गाडलिंग, महेश राउत, सुधीर धावले और रोना विल्सन को अलग-अलग शहरों से गिरफ्तार किया गया था। बताया जाता है कि उनके माओवादियों से संबंध होने के शक में पहले से उन पर नजर रखी जा रही थी। नागपुर विश्वविद्यालय ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। शोमा सेन मानवाधिकार कार्यकर्ता और दलित ऐक्टिविस्ट हैं।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में 5 न्याय, 25 गारंटी

- 400 रुपए मजदूरी, गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख
- किसानों को एमएसपी कानून और जाति जनगणना का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में अपना घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष खड़गे, सोनिया, राहुल और मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पी. चिदंबरम मौजूद थे। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को 48 पेज का घोषणा पत्र जारी किया। दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में सोनिया, राहुल, खड़गे और मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम ने 5 न्याय और 25 गारंटी का ऐलान किया। पार्टी के घोषणा पत्र में मजदूरी 400 रुपए दिन करने, गरीब परिवार की महिला को साल में 1 लाख रुपए देने, एमएसपी को कानून बनाने और जाति जनगणना कराने का जिक्र है। कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में युवा, महिला, मजदूर और किसान पर फोकस किया है। इन सभी वर्गों के लिए अलग-अलग तरह की स्कीम्स का वादा किया गया है। पार्टी ने कहा है कि उसका घोषणा पत्र वर्क, वेल्थ और वेलफेयर पर आधारित है। यहां वर्क के मायने रोजगार, वेल्थ के मायने आमदनी और वेलफेयर के मायने सरकारी स्कीम्स के फायदे दिलाना है। वन नेशन

वन इलेक्शन का विरोध। लोकसभा और विधानसभा चुनाव तय समय पर ही करवाएंगे। मतदान ईवीएम के जरिए होंगे, लेकिन वीवीपैट की पर्ची से मिलान किया जाएगा। 10वीं अनुसूची में संशोधन का वादा। इसके तहत दलबदल करने पर विधानसभा या संसद की सदस्यता खुद समाप्त हो जाएगी। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां सख्ती से कानून के अनुसार काम करेंगी। हर मामले को संसद या राज्य विधानमंडलों की निगरानी में लाया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा- यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। एक तरफ एनडीए और प्रधानमंत्री मोदी हैं जो संविधान और लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन है जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करता है। कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बुजुर्गों को रेलवे में रियायत देने का वादा किया है। कोरोना के बाद से केंद्र सरकार ने इसे लगभग खत्म कर दिया है। देशभर के लिए 25 लाख रुपए तक फ्री इलाज की योजना (हालांकि राजस्थान में राहुल गांधी ने 50 लाख रु. तक के फ्री इलाज की घोषणा की थी, इसके बाद कांग्रेस वहां हार गई थी)। कुल बजट का 4 फीसदी स्वास्थ्य के लिए, यह 2028-29 तक हो पाएगा। कांग्रेस यह सुनिश्चित करने का वादा करती है कि पुलिस, जांच और खुफिया एजेंसियां सख्ती से कानून के अनुसार काम करेंगी। जिन बेलगाम शक्तियों का अभी वो प्रयोग करते हैं, उन्हें कम कर दिया जाएगा। जैसा भी मामला हो, उन्हें संसद या राज्य विधानमंडलों की निगरानी में लाया जाएगा। कांग्रेस संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन करेगी और दलबदल (जिस मूल पार्टी से विधायक या सांसद चुना गया था उसे छोड़कर) को विधानसभा या संसद की सदस्यता से स्वतः अयोग्य घोषित करेगी।

संस्कृति और भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता हैं सच्चिदानंद जोशी

डॉ. जोशी पर केंद्रित अंक का लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। हिंदी फिल्मों के लोकप्रिय गीतकार और अभिनेता स्वानंद किरकिरे ने 'मीडिया विमर्श' के डॉ. सच्चिदानंद जोशी पर केंद्रित अंक का लोकार्पण इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में किया। इस अवसर डॉ. सच्चिदानंद जोशी, रंगकर्मी और लेखिका श्रीमती मालविका जोशी, फिल्म समीक्षक मयंक शेखर, भारतीय जन संचार संस्थान(आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी, मोटीवेशनल स्पीकर मंजूषा जौहरी, एंकर और वरिष्ठ पत्रकार अनुराग पुनेठा, मीडिया शिक्षक डॉ. सोनाली नरगुंदे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि डा. सच्चिदानंद जोशी हमारे समय के ऐसे नायक हैं, जिनकी बहुविधि छवियां संस्कृति और साहित्य के परिसर में व्याप्त हैं। रंगकर्म उनका पहला प्यार है किंतु मंच से परे कवि, कथाकार, शिक्षाविद्, संस्कृतिकर्मी, प्रशासक जैसी अनेक भूमिकाओं में वे अग्रिम पंक्ति में नजर आते हैं। उनकी षष्टिपूर्ति के प्रसंग पर प्रकाशित 'मीडिया विमर्श' का यह अंक उनकी इन बहुविधि छवियों का समग्र मूल्यांकन करता है। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि संस्कृति और भारतबोध के वे प्रखर प्रवक्ता हैं। नवाचार उनकी शैली है। अपनी जड़ों पर खड़े रहकर भी आधुनिक ढंग से सोचना और करना उन्हें आता है। मुख्यअतिथि प्रख्यात गीतकार स्वानंद किरकिरे ने श्री जोशी के नेतृत्व में इंदिरा गांधी कला केंद्र के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि फिल्मों के मूल्यांकन और संग्रहण का महत्वपूर्ण कार्य केंद्र द्वारा किया जा रहा है। मीडिया विमर्श के इस अंक में डॉ. जोशी के व्यक्तित्व और कृतित्व का मूल्यांकन करने के साथ, उनके चार महत्वपूर्ण साक्षात्कार भी शामिल हैं। इस अंक में शामिल उनकी चार कहानियां, कविताएं और यात्रा वृत्तांत उनके साहित्यिक व्यक्तित्व से भी परिचित कराते हैं। पत्रिका के संपादक डॉ. श्रीकांत सिंह हैं।

आरजीपीवी मामले में अभाविप ने जन प्रतिनिधियों को सौंपा ज्ञापन

आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग

भोपाल (नप्र)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में हुए आर्थिक भ्रष्टाचार के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवान दास सबनानी और रामेश्वर शर्मा को इस मामले में ज्ञापन सौंपा है। जिसमें आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने के लिए पुलिस व प्रशासन पर दबाव बनाने की मांग की है। एबीवीपी ने बताया कि इतने गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज होने के एक माह के उपरांत भी पुलिस प्रशासन प्रमुख आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होना यह केवल आश्चर्यजनक ही नहीं बल्कि न्यायिक व्यवस्था पर भी प्रश्न खड़ा करता है। इस मामले को संज्ञान में लेकर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही करने हेतु अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भोपाल के जन प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा।

यह है मामला

राजधानी के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में बीते दिनों चल रहे आर्थिक भ्रष्टाचार के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रदर्शन किया था, जिसके बाद आरोपियों की जांच के बाद पोल खुली। आरोपियों में कुल सचिव सुनील कुमार सहित 5 लोगों के नाम थे। मामले की एफआईआर गांधीनगर पुलिस को होने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज होते हुए भी पुलिस प्रशासन द्वारा एक भी प्रमुख आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

भोपाल में संदिग्ध स्थिति में मिला नर्स का शव

परिचित के फ्लैट में मिली बॉडी, 12 साल के बेटे के साथ अलग रह रही थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के लालघाटी स्थित अपार्टमेंट के फ्लैट में एक महिला नर्स का शव मिला है। यह फ्लैट महिला के परिचित का है। 3 महीने से वह पति से अलग अपने 12 साल के बच्चे के साथ रह रही थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। टीआई बृजेंद्र मर्सकोले के मुताबिक माया टीएम (37) पत्नी सुंदरम व्यंकाटेश्वर गायत्री बिहार कॉलोनी बागसेवनिया में किराए से रहती थी। वह सेज अपोलो अस्पताल में बतौर नर्स काम करती थी। इससे पूर्व वह लाल घाटी के तृप्ती अस्पताल में नौकरी करती थी। यहीं काम करने वाले दीपक कटियार से उसकी दोस्ती हो गई थी। इसकी जानकारी लगने के बाद तीन महीने पहले माया का पति केरल लौट गया था। इसके बाद महिला अपने 12 साल के बेटे नादान के साथ बाग सेवनिया में किराए से रहने लगी थी। इससे पूर्व वह दीपक के साथ भी रही है।

बेड पर मिला शव

मृतका दीपक के घर कब और कैसे पहुंची इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस को दीपक ने ही प्रेमिका की मौत की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद मर्चुरी में रखवा दिया था। शुक्रवार को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंपी गई है। टीआई का कहना है कि फिलहाल हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

आधे म.प्र.में 3 दिन बारिश गिर सकते हैं ओले

अप्रैल में बारिश-आंधी का ट्रेंड; अबकी बार भी ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। आधे मध्यप्रदेश में 6 से 8 अप्रैल के बीच मौसम बदला रहेगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी का अनुमान है। ग्वालियर-जबलपुर समेत कई जिलों में आंधी-बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। ऐसा वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बने सिस्टम की वजह से होगा। इससे पहले, शुक्रवार को ज्यादातर हिस्सों में गर्मी का असर देखने को मिलेगा। बता दें कि अप्रैल महीने में प्रदेश में आंधी-बारिश का ट्रेंड है। पिछले 10 में से 7 साल बारिश हुई थी। अबकी बार भी ऐसा ही मौसम रहेगा। 6 अप्रैल से मौसम बदल जाएगा। पूर्वी हिस्से के जिले- जबलपुर, रीवा आदि में ज्यादा असर देखने को मिलेगा।

इसलिए ऐसा मौसम

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन के कारण हवा से नमी आ रही है। इससे प्रदेश के कई जिलों में आंधी, बूंदाबांदी का गुरुवार से ही असर दिखाई देने लगा। 5 अप्रैल से वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव हो रहा है। इस वजह से 6, 7 और 8 अप्रैल को आंधी, बारिश का दौर रहेगा। कुछ जिलों में ओले गिरने का अलर्ट भी है।

3 दिन इन जिलों में बदलेगा मौसम

6 अप्रैल- नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर और शहडोल में बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, मुरैना, भिंड, उज्जैन, शाजापुर, देवास, सीहोर में गरज-चमक की स्थिति रहेगी। यहां हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

7 अप्रैल- ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, दमोह, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना में ओले-बारिश का दौर रहेगा। वहीं, भोपाल, विदिशा, रायसेन, देवास, खंडवा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन में गरज-चमक और बूंदाबांदी की स्थिति बन सकती है।

8 अप्रैल- नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, कटनी, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में बारिश हो सकती है। वहीं, ओले भी गिरने का अनुमान है।

9 सालों से फरार वाहन चोर पुलिस गिरफ्त में आया

•मुखबिर की सूचना पर आरोपी को उसी के गांव से गिरफ्तार किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में 9 सालों से फरार चल रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी पप्पू पाल को विदिशा जिले के गंगरबाड़ा गांव से गिरफ्तार किया है।

2015 में वाहन चोरी के मामले में शामिल था आरोपी

साल 2015 अक्टूबर में अप्सरा टॉकिज भोपाल के रहने वाले अरीश कुरैशी (20) ने अपनी पल्सर मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक अरीश ने रात को अपनी बिल्डिंग की पार्किंग में गाड़ी पार्क की थी। दूसरे दिन सुबह उनकी गाड़ी उस जगह पर नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में वाहन और चोर की तलाश की, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

चोरी के एक महीने बाद मिल गई थी मोटरसाइकिल

शिकायत के लगभग एक महीने बाद अरीश कुरैशी ने पुलिस को बताया कि अशोका गार्डन थाना पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल जब्त की है। अपनी मोटरसाइकिल वापस पाने के लिए अरीश ने फरवरी 2018 में न्यायालय में आवेदन दिया था। जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मोटरसाइकिल अरीश के सुपुर्द की थी।

2020 में एक साथी हो चुका था गिरफ्तार

इस मामले में लक्ष्मण पाल और पप्पू पाल नाम के दो आरोपी शामिल थे। पुलिस ने जनवरी 2020 में लक्ष्मण पाल को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि पप्पू फरार हो गया था। एक मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 2 अप्रैल 2024 को फरार आरोपी पप्पू को उसके गांव गंगरबाड़ा (जिला विदिशा) से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पप्पू को भोपाल न्यायालय में पेश किया गया। फिलहाल वह केन्द्रीय जेल भोपाल में है।

जबलपुर में एएसआई 1 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

फर्जी केस की कहानी गढ़ी, प्रॉपर्टी डीलर से 20 लाख मांगे; लोकायुक्त ने पकड़ा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया। लोकायुक्त की टीम ने गुरुवार रात डिलीवरी बॉय बनकर उसे गिरफ्तार किया है। एएसआई ने प्रॉपर्टी डीलर को बैंक लोन से जुड़े मामले की जांच रफा-दफा करने का कहकर 20 लाख रुपए की डिमांड की थी। प्रॉपर्टी डीलर जब बैंक पहुंचे तो पता चला कि बैंक की तरफ से ऐसी कोई शिकायत पुलिस या एसटीएफ में नहीं की गई है। इसके बाद उन्होंने लोकायुक्त में शिकायत की। एएसआई निसार अली पहले शहर के गोहलपुर थाने में पदस्थ रहा है। उसे पता था कि मोहम्मद जावेद प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। वह जावेद की हर एक्टिविटी की जानकारी लेता रहता था। उसे जानकारी लगी कि बैंक का लोन नहीं चुकाने पर बैंक ने जावेद की गोहलपुर वाली प्रॉपर्टी (मकान) नीलाम कर दी है। आरोपी एएसआई पुलिस डिपार्टमेंट में 26 साल से नौकरी पर है। वह सिपाही पदस्थ हुआ था। 3 साल पहले एसटीएफ में था। 3 दिन पहले ही यूनिट से हटाकर उसे लाइन भेजा गया है।

12.5 लाख का लोन, घूस मांगी 20 लाख रुपए

प्रॉपर्टी डीलर का कहना है कि 25 दिन पहले एएसआई ने पहली बार कॉल कर साइबर ऑफिस में बुलाया था। कुछ दस्तावेज दिखाए और कहा कि तुम्हारे खिलाफ बैंक से शिकायत आई है। इसकी जांच मिली है। शिकायत बड़े अधिकारियों तक पहुंच गई है। अब बच पाना मुश्किल है। इस दौरान उसके साथ 3 और साथी भी थे। प्रॉपर्टी डीलर के मुताबिक एएसआई कुछ न कुछ दस्तावेज दिखाकर उन्हें परेशान कर रहा था। जिस प्रॉपर्टी के दस्तावेज दिखाकर वह परेशान कर रहा था, वो 12.5 लाख रुपए की थी। उसने केस निपटाने के नाम पर 20 लाख रुपए से डिमांड शुरू की। बाद में टुकड़ों में पैसा देने को कहा। धमकी दी कि पैसे नहीं मिले तो तुम्हारे साथ भाई भी जेल जाएंगे। वह 25 दिन से रोज वाट्सएप कॉल कर दमोह नाका बुलाता। मिलने जाते तो मोबाइल जब्त कर लेता था।

एक हफ्ते पहले की लोकायुक्त से शिकायत

एक हफ्ते पहले प्रॉपर्टी डीलर ने एएसआई के खिलाफ जबलपुर लोकायुक्त एसपी से शिकायत की। इधर, गुरुवार दोपहर उनके पास एएसआई का फिर कॉल आया। दमोह नाका के पास मिलने की बात कही गई। लोकायुक्त को पता था कि निसार अली पुलिस में है और टीम के सदस्यों को पहचान सकता है, इसलिए पुलिस ने डिलीवरी बॉय की टी-शर्ट पहनकर आसपास घूमना शुरू कर दिया। प्रॉपर्टी डीलर 1 लाख रुपए लिए खड़े थे।

पकड़ में आने के बाद की भागने की कोशिश: आधा घंटे बाद गुरुवार रात 8.30 बजे एएसआई दमोह नाका आया और जावेद को आवाज देकर अंधेरे स्थान की ओर ले गया। उसने उनका मोबाइल एक दुकान में रखवा दिया। लोकायुक्त के आते ही उसने भागने की कोशिश की। उसे गिरफ्तार कर टीम सीधा सर्किट हाउस-2 ले आई।

बेटी को किडनी देने आए पिता को आया अटैक, मौत

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में काउंसलिंग के दौरान गई जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज पहुंचे एक शख्स की हार्ट अटैक से मौत हो गई। खास बात है कि वह प्राइवेट अस्पताल में भर्ती अपनी बेटी की किडनी ट्रांसप्लांट के लिए अंगदान की मंजूरी लेने आए थे। घटना गुरुवार को उस वक्त हुई, जब वह डिवीजनल कमेटी के सामने डोनर वेरिफिकेशन की प्रोसेस कर रहे थे। मरीज के पिता को घटनास्थल पर संभागीय कमेटी में शामिल डॉक्टर ने सीपीआर दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। कोहेफिजा के रहने वाले बृजेंद्र मर्सकोले के मुताबिक अरुण कुमार (53) दिल्ली में गौतम बुद्ध नगर में रहते थे। वह भोपाल में प्रायवेट नौकरी करते थे। भोपाल में रहने वाली उनकी 31 वर्षीय बेटी की किडनी खराब हो गई थी। अरुण कुमार ने बेटी को किडनी डोनेट करने का फैसला किया। गुरुवार को हमीदिया अस्पताल में खून और अन्य जांच रिपोर्ट के बाद किडनी डोनेशन की तैयारी की जा रही थी।

काउंसलिंग के दौरान आया था चक्कर: किडनी ट्रांसप्लांट के पूर्व डॉक्टरों का पैनल काउंसलिंग कर डोनर को बाद में बरती जानी वाली सावधानियों के बारे में बताता है। गांधी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों का पैनल उनकी काउंसलिंग कर रहा था। इसी दौरान, अरुण कुमार को चक्कर आया और वह बेसुध हो गए। उन्हें तुरंत ही हमीदिया अस्पताल में जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्राइवेट हॉस्पिटल में होना है सर्जरी

अरुण कुमार की बेटी बंसल हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी होना है। बेटी के लिए डोनेट कर रहे थे। अरुण कुमार के दामाद आनंद ठाकुर ने बताया कि मेरी वाइफ का किडनी ट्रांसप्लांट होना था। इसके लिए हमीदिया अस्पताल में काउंसलिंग होनी थी। हम डोनर और रिसीवर दोनों को लेकर 12 बजे पहुंच गए थे। अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। करीब डेढ़ बजे नंबर आया। हम अंदर गए। डॉक्टर्स ने ससुर जी से कई तरह के सवाल किए। इतने में वह बेहोश हो गए। डॉक्टर्स ने उन्हें सीपीआर दिया और एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस जीएमसी के पास स्थित लाइब्रेरी बिल्डिंग में करीब 10 मिनट में आई।

सभी रिपोर्ट में थे फिट

आनंद ठाकुर ने बताया कि वाइफ का किडनी ट्रांसप्लांट बंसल अस्पताल में होना था। इसे लेकर ससुर जी के टेस्ट वहां हुए थे। इसमें खास तौर बंसल अस्पताल से कार्डियक क्लियरेंस भी थे। वहीं, अन्य जांचों में भी फिट पाए गए थे। उनको आम तौर पर भी कोई बीमारी नहीं थी।

इन टेस्ट में पास हो गए थे

सबसे पहले डोनर के कुछ मेडिकल टेस्ट किए जाते हैं। यह जानने के लिए कि व्यक्ति डोनेशन के लिए उपयुक्त है या नहीं। इन टेस्ट में सबसे महत्वपूर्ण दो पहलू हैं। डोनर और रिसीवर की कंपैटिबिलिटी और डोनर की मेडिकल कंडीशन यानी उसका शारीरिक रूप से स्वस्थ होना। सारे टेस्ट रिजल्ट पॉजिटिव होने और डॉक्टर की एथिकल कमेटी डोनेट करने के लिए सर्टिफिकेट जारी करती है।

मुंह पर पत्थर गिरने से मासूम की मौत

भोपाल के आजाद मार्केट में हुआ हादसा पुलिस कर रही लापरवाही की जांच

भोपाल (नप्र)। पुराने भोपाल के आजाद मार्केट में स्थित गन्ने के जूस की दुकान से लगी एक टपरी है। हादसे में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मंगलवारा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार की दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। थाना प्रभारी एके सोनी ने बताया कि 8 वर्षीय राजवंश बंशकार उर्फ राजा आजाद मार्केट में परिवार के साथ टपरी में रहता था। उसके पिता की लड़की की डलिया आदि फुटपाथ पर बेचते हैं। उनकी टपरी से सटी कल्लू की गन्ना जूस दुकान है। गुरुवार की रात करीब 8 बजे राजा अपनी टपरी में सो रहा था। वहीं जूस की दुकान में जहां एक पलंग पर रखे गन्नों को छीलने का काम चल रहा था। दुकान और टपरी के बीच फुटपाथ है। इसी दौरान एक बड़ा सा पत्थर दुकान की छत से गिरा, डिवाइडर से पत्थर टकराने के बाद राजा के चेहरे पर लगा। इससे उसकी नाक में गंभीर चोट आई थी। आनन-फानन में दुकान में मौजूद लोगों ने घायल बच्चे को ऑटो से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान बच्चे की देर रात मौत हो गई। टीआई का कहना है कि जांच के बाद लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई करेंगे। जिस किसी की लापरवाही से राजा पर पत्थर गिरा, उस पर केस दर्ज किया जाएगा।

संपादकीय

इस खुलासे के पीछे किसका हित?

ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' का यह खुलासा नए बवाल का कारण बन सकता है कि पाकिस्तान में आतंकियों को ठिकाने लगाने के पीछे भारतीय खुफिया एजेंसी का हाथ है। हालांकि भारत सरकार ने इस खबर का पूरी तरह खंडन किया है, लेकिन यह अभी तक रहस्य बना हुआ है कि पाकिस्तान और कुछ देशों में उन लोगों की संदिग्ध की मौत के पीछे के कौन लोग हैं। खुद पाकिस्तान सरकार भी इसको लेकर मौन है। हालांकि पाक सहित कुछ देशों की गुप्तचर एजेंसियां इन हत्याओं की अपने स्तर पर जांच कर रही हैं, लेकिन खुलकर कोई नहीं बोल रहा है। अब गार्जियन ने जो खबर छापी है, उसके पीछे भी किसका हाथ है और इसके पीछे क्या उद्देश्य यह भी सामने आना चाहिए। बहरहाल ब्रिटिश अखबार गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में भारत और पाक दोनों देशों के खुफिया अधिकारियों के साथ इंटरव्यू और पाकिस्तानी जांचकर्ताओं के साझा किए गए दस्तावेज का जिक्र किया है। इसमें कहा गया है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के साहसिक कदम के तहत कथित तौर पर विदेशों में कार्रवाई शुरू की। इसमें कहा गया है कि विदेश में रह रहे उन लोगों, जिन्हें भारत सरकार अपने लिए खतरा मानती है, को ठिकाने लगाने का काम भारत सरकार के इशारे पर ही किया जा रहा है। ये हत्याएं विदेशी सरजमीं पर मौजूद आतंकवादियों को खत्म करने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। दावा है कि पाकिस्तान में 2020 के बाद अब तक 20 आतंकी मारे जा चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के साहसिक कदम के तहत कथित तौर पर विदेशों में कार्रवाई शुरू की। याद रहे कि वाशिंगटन और ओटावा कनाडा में एक सिख आतंकवादी समेत अन्य लोगों की हत्या में भारत के शामिल होने और पिछले साल अमेरिका में एक अन्य सिख आतंकी की असफल हत्या की कोशिश करने का सार्वजनिक आरोप लगा चुके हैं। पहले भी भारत को अनौपचारिक रूप से इन हत्याओं से जोड़ा गया लेकिन यह पहली बार है कि भारतीय खुफिया कर्मियों ने पाकिस्तान में कथित अभियानों का जिक्र किया और हत्याओं में रॉ की प्रत्यक्ष संलिप्तता के आरोप वाले दस्तावेज पाए गए। आरोपों से यह भी पता चलता है कि खालिस्तान आंदोलन में सिख आतंकियों को इन भारतीय विदेशी अभियानों के हिस्से के रूप में पाकिस्तान और पश्चिम दोनों में निशाना बनाया गया। रिपोर्ट में पाकिस्तानी जांचकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि इन हत्याओं को संयुक्त अरब अमीरात से संचालित होने वाले ज्यादातर भारतीय खुफिया स्लीपर-सेल ने अंजाम दिया। इन पर हत्याओं के लिए स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपये देने का आरोप है। दो भारतीय खुफिया अधिकारियों के अनुसार, विदेश में मौजूद आतंकियों को निशाना बनाने का जासूसी एजेंसी का मिशन 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ। द गार्जियन ने इसे टारगेट किलिंग करार दिया है। इस पर एस जयशंकर ने कहा, 'टारगेट किलिंग करना भारत की विदेश नीति में नहीं है।' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आरोप झूठे हैं और भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाया जा रहा है। यह रिपोर्ट भी इसी प्रोपेगेंडा का हिस्सा हो सकती है। इसी के साथ यह सवाल भी उतना ही अहम है कि दूसरे मुल्क भारत में आतंक फैलाने वालों को अपने यहां पनाह क्यों दे रहे हैं? क्या सिर्फ मानवाधिकारों का हवाला देकर ऐसे आतंकियों की सुरक्षा का समर्थन किया जा सकता है, जो खुद दूसरे बेगुनाहों की जान लेने में रत्ती भर भी संकोच नहीं करते तथा जिनकी हिंसा के पीछे उद्देश्य भारत को तोड़ना है।

भाजपा का स्थापना दिवस

प्रभात झा

(लेखक पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं)

भाजपा की पैंतालीसवीं वर्षगांठ : मोदीजी के नेतृत्व में फिर खिलेगा कमल

4 अप्रैल 1980 की बात है। जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष स्व चंद्रशेखर जी, मोहन धारिया एवं स्व. मधु लिमये जनता पार्टी के जनसंघ घटक से बार-बार कह रहे थे कि आपकी दोहरी सदस्ता नहीं चलेगी। आपको राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से अपनी सदस्ता खत्म करनी होगी। तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं सूचना प्रसारण राज्यमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी लगातार समझाते रहे कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हमारी मातृ संस्था है। बाल्यकाल से हमने वहां से संस्कार प्राप्त किये हैं। संघ में कोई सदस्यता नहीं होती, संघ एक सांस्कृतिक संगठन है, जो देश की संस्कृति, भारतीय परंपरा, राष्ट्रवाद एवं सनातन धर्म के लिए काम करता है। बावजूद इसके जनता पार्टी के अन्य घटक दलों ने नहीं मानी। जबकि सच्चाई यह थी कि आपातकाल के बाद जनसंघ भारत का पहला राजनैतिक दल था जिसने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने दल का नाम और चुनाव चिन्ह दीपक भी मिटा दिया। अटलजी और आडवाणीजी की बात जनता पार्टी नेताओं ने यहां तक की मोरारजी भाई देसाई जो उस समय प्रधानमंत्री थे, उन्होंने भी इस विषय पर नहीं सुनी और चुप्पी साध ली। मुझे आज भी स्मरण है कि अटलजी ने और आडवाणीजी ने तत्कालीन पूर्व संगठन मंत्री सुंदर सिंह भंडारीजी से आग्रह किया कि 4 अप्रैल 1980 को देश के अपने सभी प्रांतों और राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख नेताओं की आपात बैठक बुलाई जाए।

हमारे मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता और ग्वालियर के तत्कालीन सांसद नारायण कृष्ण शेजवलकर भी उस बैठक में गए। मैं समाचारपत्र में था और देश में जनसंघ का पहला अपना निजी कार्यालय जो ग्वालियर में बना था, उसमें रहता था। मैं भी स्व. शेजवलकर जी के साथ बैठक में बतौर पत्रकार चला गया। बैठक प्रारंभ हुई। पहले आडवाणीजी ने जनता पार्टी से उत्पन्न सभी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि दोहरी सदस्यता के नाम जनता पार्टी के अन्य घटक हमें संघ के 'स्वयं सेवक' नहीं रहने और उनके कार्यक्रमों के साथ-साथ संघ की सदस्यता छोड़ने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने और अटलजी ने जनता पार्टी के नेताओं को बहुत समझाने की कोशिश की और कहा कि संघ में सदस्यता नहीं होती है। संघ से हमारा वैचारिक संबंध है। लेकिन जनता पार्टी नेताओं और अन्य घटकों को यह बात समझ में नहीं आई। वहां उपस्थित सर्वश्री जगन्नाथ राव जोशी, भैरो सिंह शेखावत, सुंदर सिंह भंडारी, केदारनाथ साहनी, डॉ मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, विजय कुमार मल्होत्रा, कुशाभाऊ ठाकरे, जे.पी. माथुर, कैलाशपति मिश्र, उत्तम राव पाटिल, विष्णुकांत शास्त्री, ओ. राजगोपाल, यज्ञदत्त शर्मा, मदनलाल खुराना, अश्विनी कुमार, केशुभाई पटेल, यदुरप्पा जी सहित देश के सौ सवा सौ से अधिक नेताओं ने एक साथ कहा कि हम सबसे पहले स्वयंसेवक हैं और संघ से हमारा नाता मरणोपरांत भी नहीं छूट सकता। इसके लिए भले ही जनता पार्टी छोड़ना पड़े।

अंत में सभी की भावना सुनकर अटलजी भाव विभोर हो गए और उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक हैं और सदैव रहेंगे। लेकिन अब जनता पार्टी के सदस्य नहीं रहेंगे। उपस्थित सभी नेताओं ने अटल जी की बात सुनकर तालियां बजाई और एक स्वर से कहा कि हमने जनसंघ राजनैतिक दल जनता पार्टी में मिलाया था, पर जनसंघ के कार्यकर्ता तो आज भी गांव-गांव में हैं। जनसंघ के कार्यकर्ताओं और संघ के सहयोग के कारण ही जनता पार्टी को देश में इतनी सीटें सन् 1977 में आपातकाल खत्म होने के बाद मिली। बैठक में एक समिति सुंदर सिंह भंडारी की अध्यक्षता में बनाई गई, और इस समिति को नया दल, नया चुनाव चिन्ह और नया संविधान बनाने का कार्य सौंपा गया।

6 अप्रैल 1980 को पुनः देशभर के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई और नये दल भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। चुनाव चिन्ह कमल का फूल घोषित किया गया और दल का संविधान बनाने का कार्य शुरू हुआ। भाजपा बन गई। इसका पहला अधिवेशन मुंबई के माहिम में आयोजित किया गया। सभी वरिष्ठ नेतृत्व ने एक स्वर में जनसंघ के तीन बार अध्यक्ष रहे अटल बिहारी वाजपेयी को लाखों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। अनेक प्रस्ताव पारित हुए। जनसंघ घटक से क्यों अलग हुआ, जनता पार्टी क्यों टूटी, उस पर भी आडवाणी जी ने विचार रखें। उसी शाम अपने अध्यक्षीय भाषण में अटल जी ने कहा 'अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा'। इसी अधिवेशन में प्रसिद्ध न्यायाधीश एम. सी. छागला भी उपस्थित थे। मंच के पीछे बैनर पर लिखा था 'गद्दी छोड़ो कि जनता आती है।' इस अवसर पर छागलाजी ने कहा था कि मैं अपनी आंखों के सामने देख देख रहा हूं कि भाजपा आ रही है और भविष्य में देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी होंगे।

सन् 84 में चुनाव हुए। चुनाव के बीच में ही इंदिरा जी की हत्या हो गई। भाजपा को देश में सिर्फ दो ही सीटें मिली। एक गुजरात के मेहसाणा से अशोक पटेल और दूसरा आंध्र प्रदेश से जंगा रेड्डी चुनाव जीते। यहां तक कि अटल जी ग्वालियर से 84 के चुनाव में माधवराव सिंधिया से हार गए। देश में निराशा छा गई। अटल जी उठे, कहा कि हम चुनाव हारे हैं लड़ाई नहीं। हम दुगुनी ताकत से पूरे देश में कमल खिलाएंगे। कार्यकर्ता तो देश भर में थे। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व ने पूरे भारत का अखंड प्रवास कर छोटे बड़े कार्यकर्ताओं और भारत की जनता को जगाने का कार्य जारी रखा। धीरे-धीरे हर लोकसभा चुनाव में भाजपा की संख्या बढ़ती गई। सन् 1989 में 85 सीटें और सन् 1991 में भाजपा को 120 सीटें मिलीं।

एक स्थिति यह आई कि सन् 1996 के चुनाव में भाजपा को 182 सीटों पर जीत मिली। सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने अटल जी को प्रधानमंत्री की शपथ के लिए बुलाया। अटल जी ने प्रधानमंत्री की शपथ ली। लेकिन वह सरकार मात्र 13 दिन तक चली। फिर चुनाव हुए, पुनः भाजपा को सहयोगियों के साथ यानी उस समय के एनडीए के साथ अच्छी सीटें मिली। अटल जी पुनः 13 महीने के लिए प्रधानमंत्री बने। सहयोगियों ने धोखा दिया और अटल जी की सरकार एक वोट से गिर गई। अटल जी ने अपना इस्तीफा देने से पहले संसद में अपने भाषण में कहा सरकारें आएंगी जाएंगी लेकिन हम खरीद-फरोख्त से बनी सरकार को चिमटी से भी नहीं छुएंगे। हालांकि 1990 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश, हिमाचल और राजस्थान में भाजपा की बहुमत से सरकारें बन चुकी थी। इन राज्यों के चुनावों में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी।

सन् 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए की सरकार सभी सहयोगी दलों के सहयोग से बनी और अटलजी तीसरी बार पांच साल तक प्रधानमंत्री बने रहेद्य फिर सन 2004 में लोकसभा चुनाव में भाजपा पराजित हुई और यूपीए की सरकार बनीद्य उसके बाद यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री राजनेता कम नौकरशाह रहे डॉ. मनमोहन सिंह बने। यह सरकार दस साल चली। इन दस सालों में यूपीए सरकार घोटालों में डूब गई। पूरे देश में यूपीए से देश के करोड़ों लोग निराश हो चुके थे।

लेकिन इतिहास करवट लेता है। गुजरात में बारह वर्ष शानदार सरकार चलाने वाले नरेंद्र मोदी को भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने लोकसभा चुनाव के प्रचार का संयोजक और कुछ दिनों बाद उन्हें भाजपा की ओर से देश का भावी प्रधानमंत्री बनाने की दलीय घोषणा की। नरेंद्र भाई का नाम आते ही देश में एक नए राजनैतिक युग का संचार हुआ। नई आशाएं जगीं, उम्मीदों की नई किरणें दिखने लगी। गुजरात के विकास की अमिट छाप देश ने देखा था। नरेंद्र मोदी ने भारत का अखंड प्रवास कर पूरे देश का विश्वास जीता और तीस वर्ष बाद किसी एक पार्टी (भाजपा) की बहुमत की सरकार बनी। कुल सीटें भाजपा की 282 एवं एनडीए की 336 आई। उसके बाद प्रधानमंत्री एक दिन भी नहीं रुके। उनके कदम बढ़ते गए। इसी बीच में राजनाथ सिंह देश के गृह मंत्री बने और भाजपा के नए अध्यक्ष भाजपा के महामंत्री और यूपी के प्रभारी रहे अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। संगठन का कार्य संभालते ही अमित भाई ने अपने अखंड प्रवास और अनेकानेक कार्यों और कार्यक्रमों से पूरे भारतवर्ष में भाजपा को खड़ा कर विश्व में भाजपा को सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाकर इतिहास रचा। हर जिले में भाजपा कार्यालय सहित 12 ऐसे कार्य सौंपे जिसे भाजपा के हर जिलों में होना ही था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चन्द्रमा पर तिरंगा वैज्ञानिकों से फहरवाया, वहीं भाजपा को यानि एनडीए को शीघ्र ही राजनीति में एवरेस्ट की चोटी पर लाकर खड़ा कर दिया। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक आज भाजपा और एनडीए का झंडा फहरा रहा है। भारत को परिवारवाद, वंशवाद की राजनीति से मुक्त, भ्रष्टाचार से मुक्ति और गरीब, महिला, किसान, युवा के लिए अपनी सरकार समर्पित कर दी। आज जहां विश्वभर में मोदी जी का लोहा माना जा रहा है, वहीं पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को दिखा दिया कि अगर आंख दिखाओगे तो हम अब आंख नहीं दिखाएंगे, बल्कि आंख निकालेंगे। भारत के गांव गरीबों की ही नहीं बल्कि विकास के इतने आयाम तय किए कि सन् 2019 में भाजपा को 303 सीटें अकेले मिली। और एनडीए को कुल 352 सीटें मिली। 26 मई 2014 से लेकर अब तक एक दिन भी आराम न करने और छुट्टी नहीं मनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो अपनी 100 वर्षीय माता जी के निधन के दिन भी अंत्येष्टि के 3 घंटे बाद भारत माता के राष्ट्रीय कर में जुट गए। वे तब से लेकर अभी तक न थमें, ना थके और ना रुके। इतना ही नहीं उन्होंने 10 वर्षों में दीपावली उन सैनिक के बीच जो सरहद पर भारत माता की रक्षा के लिए घर-द्वार छोड़कर काम करते हैं उनके बीच जाकर मनाई और सैनिकों को विश्वास दिलाया कि वे सैनिकों के साहस को सदैव सेल्यूट करते हैं।

सन् 2024 का यह पहला लोकसभा चुनाव है जहां देश की करोड़ों जनता ही नहीं, दबे शब्दों में सभी विपक्ष कह रहे हैं कि तीसरी बार भाजपा सरकार बनेगी और मोदी जी फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। यह आठवां आश्चर्य है कि लोकसभा चुनाव होने की दिशा में बढ़ रहा है और परिणाम 4 जून 2024 को आएगा, पर देश ने चुनाव से पहले ही अपना जनस्वरों में परिणाम दे दिया है कि अपनी 45वीं वर्षगांठ पर भाजपा पुनः तीसरी बार आएगी, कमल खिलेगा और मोदी जी आएंगे और उनकी गारंटी पर देश मुहर लगाने को तत्पर है।

मोदी जी ने जनसंघ के जमाने में घोषणा पत्र में जो बातें आज तक कहीं जा रही थी, उसे साकार करने की दिशा में एक पल भी नहीं गंवाया। आज विश्व उनका लोहा मान रहा है। वे पिछले 10 वर्षों में भारत के युग पुरुष ही नहीं बल्कि विश्व के युग पुरुष बनने की दिशा में बहुत आगे निकल गए। 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद आगामी 5 वर्ष और 2047 तक भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर ले जाने का आत्मविश्वास दिखाया है। यह बात देशवासियों के मन और मस्तिष्क में इस कदर बैठ गया है कि देश स्वयं कह रहा है कि 'अबकी बार फिर मोदी सरकार'।

विश्व राजनीति

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

चीन ने हाल ही में एक बचकानी हरकत करते हुए अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों को नए नाम देने की हरकत की है। इन नामों की सूची चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित भी कर दी। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने यह सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाली हुई है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान कहता है और इसे दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना अनैतिक दावा जताता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस हरकत पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि 'अरुणाचल भारतीय राज्य था, है और भविष्य में भी रहेगा। नाम बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। यदि मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वह मेरा हो जाएगा ? 'चीन ऐसी हरकत करते हुए 2017, 2021 और 2023 में भी जारी कर चुका है। चीन ने अरुणाचल क्षेत्र में अवैधानिक रूप से गांव बसाने के भी प्रयास किए हैं। चीन अपने मानचित्रों में भी अरुणाचल को अपना बताने की कोशिश करता रहा है। चीन की इन हरकतों की शुरुआत तब हुई, जब 9 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग का उद्घाटन किया था। चीन की ये सब हरकतें उसकी विस्तारवादी नीति की कुटिल मंशाएं दर्शाती हैं।

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के शिखर क्षेत्र त्सारी चू में गांव बसाने की कोशिश भी हुई थी। तिब्बत के दक्षिणी क्षेत्र जंगनान से जुड़ी नीति में भी कोई परिवर्तन नहीं किया है। चीन ने दृढ़तापूर्वक कहा है कि जंगनान क्षेत्र (जो कि भारत का अरुणाचल प्रदेश है) है, उसके साथ अरुणाचल प्रदेश के अस्तित्व को भी कोई मान्यता नहीं देता है। मसलन संपूर्ण अरुणाचल को चीन विवादित क्षेत्र मानकर चल रहा है। करीब तीन साल पहले चीन ने अरुणाचल की वास्तविक सीमा के करीब 4.5 किलोमीटर अंदर घुसकर 101 नए घर बनाकर पूरा एक गांव बसा लिया है। यह गांव अरुणाचल के सुबनसिरी जिले में बताया जा रहा है। इस गांव के बसाए जाने के रहस्य का खुलासा उपग्रह से ली गई तस्वीरों से हुआ था। ये तस्वीरें 1 नवंबर 2020 की बताई जा रही हैं। इनमें यह गांव स्पष्ट दिखाई दे रहा है, जबकि इस समय से एक साल पहले लिए गए उपग्रह चित्रों में यह गांव नहीं है। मसलन गांव इसी समय-सीमा के भीतर बसाया गया है। साफ है, चीन पड़ोसी देशों की संपत्ति हड़पने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत की चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा में सुरक्षा के लिहाज से हमेशा शंका व संकट बने रहते हैं। हमारी गुप्तचर संस्थाएं भी सबसे ज्यादा इसी सीमा पर सक्रिय रहती हैं। बावजूद इतना बड़ा गांव बसा लेने की जानकारी एजेंसियों को नहीं मिली तो इस कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है ? जबकि पिछले दस सालों में हम उपग्रह से लेकर अन्य तकनीकी क्षेत्र में सक्षम हुए हैं। हालांकि बाद में उपग्रह विशेषज्ञों ने ही गांव बसा लेने की तस्वीरों की विश्वसनीय जानकारी दी थी। वस्तुतः अरुणाचल पर भारत का रुख शुरू से ही दो टूक रहा है कि अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा है।

चीन ने ऐसी ही फिजूल की हरकत करते हुए 28 अगस्त 2023 को 'मानक मानचित्र' का नया संस्करण जारी किया था। इसमें उसने अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन सहित भारत के कई भूखंडों को अपने नक्षे में चित्रित किया है। चीन लद्दाख से लेकर अरुणाचल, सिक्किम और भूटान क्षेत्रों में विभिन्न तरीकों से घुसपैठ करके भारत को परेशानी में डालने का काम पैदा करता ही है, साथ ही वह बीच-बीच में अपने नक्षे में भारतीय जमीन को दिखाकर दस्तावेजी बदलाव की हरकतें भी करता रहता है। लगता है उसके अजेंडे में अवांछित गतिविधियां जारी रखते हुए भारत को चिढ़ाने की आदत सी बन पढ़ गई है। स्वाभाविक है भारत ने इस हरकत का कड़ा विरोध किया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि 'भारतीय क्षेत्र पर बेतुका दावा करने से कोई हिस्सा चीन का नहीं हो जाता। चीन की यह पुरानी आदत है। लेकिन इससे मौके पर वास्तविकता बदलने वाली नहीं है। हमारी सरकार ठीक से जानती है कि हमारी सरहद कौनसी है।' यह कितनी हस्यास्पद बात है कि कोई देश पड़ोसी देश को उसकी सीमाएं बताने की हिमाकत कर रहा है ? चीन की ये हरकतें सीमाई विवादों को सुलझाने की बजाय और उलझाने का काम कर रही हैं।

यह पूरी दुनिया जानती है कि अरुणाचल और अक्साई चिन भारत के अविभाज्य हिस्से हैं। लिहाजा अपनी मंशानुसार बनाया गया कोई भी मानचित्र जमीनी सच्चाई को बदल नहीं सकता। चीन ऐसी हरकतें लगातार दोहराता रहा है। उसने गूगल अर्थ से होड़ बररते हुए एक ऑनलाइन मानचित्र सेवा कुछ साल पहले षुरू की थी। जिसमें भारतीय भू-भाग अरुणाचल और अक्साई चिन को चीन ने अपने हिस्से में दर्शाया था। विश्व मानचित्र खण्ड में इसे चीनी भाषा में दर्शाते हुए अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताया गया था, जिस पर चीन का दावा पहले से बना हुआ है। वह अरुणाचलवासियों को चीनी नागरिक भी मानता है। उसने इसी क्रम में अरुणाचल के कुछ खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी करने की हरकत की थी। नतीजतन भारत ने इन खिलाड़ियों के साथ अन्य खिलाड़ियों को भी चीन जाने से रोक दिया था। यही नहीं चीन की एक साम्यवादी रुझान की पत्रिका में वहां की एक कम्युनिस्ट पार्टी के नेता का लेख छपा था कि भारत को पांच टुकड़ों में बांट देना चाहिए। अब सवाल उठता है कि भारत इस कुटिल मंशा का जबाव किस लहजे और भाषा में दे? यहां यह भी गौरतलब है कि साम्यवादी देशों की हड़प नीति के चलते ही छोटा सा देश चेकोस्लोवाकिया बरबाद हुआ। चीनी दखल के चलते बरबादी की इसी राह पर नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान हैं। इसी कारण चीन, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीइसी) बना रहा है, उसका लगातार विरोध स्थानीय नागरिक कर रहे हैं। इसी विरोध के चलते चीन के पांच इंजीनियरों को हाल ही में एक आत्मघाती हमले में मार गिराया है। चीन ने पाकिस्तान में संरचात्मक विकास के बहाने कर्ज के जाल में फंसाकर बर्बादी के रास्ते खोले दिए हैं। चीन ने भूटान सीमा पर डोकलाम क्षेत्र में भी जबरन सामरिक महत्व की सड़क बनाने एवं भूटान की सीमा में दो किलोमीटर भीतर घुसकर गांव बसा लिया था। चीन ने नेपाल में भी 150 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुबनसिरी जिले की सीमा लंबे समय से विवाद का हिस्सा रही है। इसे लेकर सशस्त्र संघर्ष भी हो चुका है।

चीन की हमेशा ही कुटिल निगाह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर रही है। लेकिन अरुणाचल में हस्तक्षेप का प्रयास निरंतर बना हुआ है। 1962 के युद्ध के समय चीन ने भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में अपने सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी तवांग के मार्ग से ही असम तक पहुंचाई थी। भारत, चीन की इस चालाकी से अच्छी तरह से परिचित है। अतएव पिछले एक दशक में समूचे अरुणाचल प्रदेश में ढांचागत विकास को बहुत तेज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। चीन के लिए यह विकास और भारत सरकार का दो टूक जवाब परेशानी का सबब बन रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगे सीमाई इलाकों में 63 सड़कें भारत सरकार बना रही हैं। इनमें से कई सड़के व पुल तैयार होने के साथ आवागमन के लिए भी खोल दिए गए हैं। नतीजतन भारतीय सैनिकों की सीमा तक पहुंच आसान हो गई है। सनद् रहे कि 1962 में सड़के नहीं होने के कारण ही भारतीय सेना को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। चीन की घुसपैठ रोकने के लिए तवांग समेत अरुणाचल के अन्य सीमा क्षेत्र में भारत ने अपने सैनिकों की संख्या और हथियारों के जखीरे बढ़ा दिए है। इसलिए चीन जिस रास्ते से भी घुसने की कोशिश करता है, उसे सेना तत्काल माकूल जवाब दे देती है। हालांकि चीन की तरफ से भी अपने इलाके में लगातार सड़कें, पुल और सैनिक अड्डे बनाए जा रहे हैं।

खुजली चिंतन

कल ही उन्होंने कहा भाई एक मदद कर दो. पीठ के ठीक बीचों बीच, रीढ़ की हड्डी के पास खुजा दो यार. हाथ साला वहाँ तक पहुंचता ही नहीं है. मैंने भी उनकी मजबूरी को भांपा और उनके बताए स्थान पर खुजाने लगा. हाँ, यहीं यहीं बराबर पकड़े हो, हाँ अब थोडा नीचे, थोडा थोडा हाँ थोडा और नीचे, अहा, बढिया खुजाओ खुजाओ, और और.. थोडी देर में अपना धैर्य जवाब देने लगा पर वे आनंद के चरम पर थे. खुजा खुजा करते हुए, आजू, बाजू, दाएं, बाएं, खुजा खुजा कर अपनी पीठ लाल कर ली पर खुजाल थी कि खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी. आखिर खीज कर मैंने अपनी क्रिया में थोड़ा बल प्रयोग किया और नाखून उनकी पीठ में गडा दिए. वे तड़प उठे- मुझे अफजल खान समझ कर अपने नाखून मेरी पीठ मे ही उतार दोगे क्या?

कटाक्ष

सुधीर देशपांडे

खुजली का अपना व्यापक साम्राज्य है. वस्तुतः यह शरीर में कहीं भी हो सकती है. और जब होती है तो होती ही है. इसके होने को कोई माई का लाल रोक नहीं सकता. कहा जाता है कि खुजली वाले से हमेशा दूरी बनाई रखी जानी चाहिए. खुजली शांत करना बड़ा कठिन काम है तब तो और भी जब वह आपके उस स्थान पर हो जहाँ आपका हाथ पहुँच पाने में तमाम प्रयत्नों के बाद भी असमर्थ हो तब अकेले की स्थिति में आपको किसी गधे या कुत्ते की तरह अपनी पीठ खुजाने के लिए किसी भीत के कोने का सहारा लेना पड़े. खुजली होने के कुछ कारण है और अंग विशेष हैं जहाँ वह अलबत्ता होती ही है. खुजली जहाँ होती है वहाँ खुजलाना जरूर होता है. खुजाने से जो आनंद मिलता है वह किसी और क्रिया में मिलता हो यह बिल्कुल याद नहीं आता. खुजली हर क्षेत्र में है. मेरा तो मानना है कि खुजली है तो ये दुनिया है. खुजली है तो पैसा है. खुजली है तो मान है. खुजली है तो लिख रहे हैं. खुजली है तो छप रहे हैं. ये विकास वगैरे भी खुजली से है. खुजली वस्तुतः एक प्रवृत्ति है जो लगातार आपको खुजाने के लिए उकसाती है पर इसी के विपरीत खुजा कर खता मोल लेना भी है. खुजली कुछ के लिए तो रोग है पर ज्योतिष लोग इनमें भी भविष्य देखने का दावा करते हैं. मैं अभी तक तय नहीं कर पाया कि खुजाल दाएँ हाथ में होने पर पैसा आता है या बाएँ हाथ में. पैर खुजाने पर यात्रा होती है पर छात्र की पीठ और गुरूजी के हाथ में एक साथ खुजाल आने के वास्तविक संबंध क्या है. पर फिर भी इस खुजाल को मिटाने के तरीके आदमी ने ईजाद कर लिए हैं और बाजार में धडल्ले से बिक रहे है. पैसे की खुजली इधर से उधर ट्रांसफर हो रही है. सत्ता की खुजली इन दिनों चरम पर जाने को है.

इधर सुनने में आया है कि दाद खाज खुजली की दवा बनाने वाले कई कारखाने इन दिनों रुपयों की अच्छी फसल काट रहे हैं. उन्हें पता है खुजली से परेशान मरीज जल्दी ठीक नही होता यदि वह दिए निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं करता. और होता यह है कि खुजली बढती चलती है. खुजली की बहनें भी है, दाद और खाज. दाद भी जल्दी पीछा नहीं छोड़ती न खाज छोड़ती है. अक्सर ये कइयों की जुबान पर भी पाई जाती है और अपने साथ पूरे कुनबे का सत्यानाश कर देती है. मैं सोच में डूबता हुआ अपने हाथ धीमें कर देता हूँ और वे कह उठते हैं अरे भाई क्या सोच रहे हो. हाथ धीमें क्यों हो गये? थोड़ा और खुजा दो. लगता है, अब तुम्हारे नाखूनों में वह दम नहीं रहा. सुनो वो तुम्हारे बगल से कद्दूकस पड़ा है, उसी से खुजा दो यार, भगवान तुम्हारा भला करेगा.

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

गैर तो गैर अपने भी अपनों वालों के नहीं रहे!

कभी तुम मुझे अपना ,तो कभी गैर कहते गए
देखो मेरी नादानी हम सिर्फ तुम्हें अपना कहते गए!

लाइने गुनगुनाते हुए पंडित शिवनारायण जी रंगों के त्यौहार के बीच आए चुनाव के दौरान मॉर्निंग वॉको लिए निकले तो पड़ोसी विनोद जी बोल पड़े क्या गैरों को अपनों से दूर के लफ्जों का प्रयोग कर गैरों पर करम और अपनों पर सितम ढहा रहे हो। लेकिन इस चुनावी माहौल में गैर तो गैर हैं ही अपने भी अपनों वालों के नहीं रहे। माजरा इतना बदला बदला है कि रात को जो अपने थे वे सुबह गैर हो गए और कुछ तो अपने होते ही सिपाहासालार भी बन गए। अरे पंडित जी आप गैरों की बात करते हो, आपको गैरों का व्याकरण पता नहीं है,गैर की दो में से एक मात्रा डिलीट करने पर बनी,गेर, रंगोत्सव बनकर गैर को भी अपने रंग में रंग देती है। और गैर और अपने एक दूजे के हो जाते है। विनोद जी बोले आप हमेशा गैर गैर की बात करते हो लेकिन, गैर, किस तरह,गेर, में बदल जाती हैं जिसका अंदाजा आप ही इस तरह मान लेंगे कि

गेर में लोग अपनी गैरत भुलाकर
गैरों को भी अपना बना लेते है!

इस पर पंडित जी गेर और गैर को लेकर बहस करने लगे बोले गेर तो एक दिन निकलती है, गेर का कारवां रंगउत्सव तक ही है लेकिन गैर कितना एरा गैरा और नेगेटिव शब्द है जिससे आप वाकिफ नहीं हो ।और यह गैर जिन-जिन के आगे लगता है वह पीछे धकेल दिया जाता है और वे बर्बाद हो जाते हैं। गैर के वेरिएंट किसी वायरस से भी ज्यादा दमदार है।

वे बोले आप जानते हैं गैर शब्द मेलजोल वाला नहीं है, अजनबी है,पराया है,डिस्टेंस वाला है, तुच्छ और गैरत भरा भी नहीं है। आपको पता नहीं यह हाजिर के आगे लग जाए तो उसे गैर हाजिर बनाकर हाजिर की हुजूरी, हाजिरी और हाजिर जवाबी को जंग लगा देती है।

अरे कानून और व्यवस्था से मेंटेन होते अनुशासन को भी गैर के पर लग जाए तो कानून भी गैर कानूनी हो जाता है ।यह गैर यदि कौम के आगे लग जाता है तो गैर कौम बनाकर कौम में द्वंद फैला देता है और कौमी झगड़ा फसाद शुरू हो जाते हैं।

जिस सरकारी काम में प्रशासन न केवल चलता है बल्कि दौड़ता है उस सरकारी के आगे गैर लगने पर बना गैर सरकारी शब्द चलते प्रशासन की बखिया उधेड़ देता है ।बहस मुहासिबो में वाजिब तर्क रखने वालों के तर्कों के आगे गैर जब लग जाता है तो तर्क कुतर्क एवितर्क में बदल जाते हैं। इसमें जिम्मेदारी गैर की है और जब जिम्मेदारी पर भी गैर जिम्मेदारी सवारी कर लेती है तो जिम्मेदारी का असर भी गैर जिम्मेदाराना हो जाता है। और हां गैर तो उस वक्त तहलका मचा देता है जब किसी मर्द के आगे लग जाता है गैर मर्द शब्द अच्छे-अच्छे घर परिवारों को बर्बादी कगार पर खड़ा कर देता है गैर मर्द न जाने क्या.क्या गुल खिला देता जिससे परिवार का गुलदस्ता छिन्न भिन्न हो जाता है ।

पंडित जी द्वारा गैर के बाहुबली होने,प्रभावशाली होने की विरुदावली गाने पर विनोद जी से रहा नहीं गया और बोले आप जैसे अनेक शख्स है जो अकसर गैरों पर करम और अपनो पर जुल्म ढहाते हैं। वे बोले माना की गैर का रुतबा ,मर्तबा है लेकिन जब गैर अपनी गैरत को ताक में रखकर गैरों को अपना बना लेते हैं। इसी कारण

गैर तो गैर है,गैरों से गिला क्या
अपने तो अपने हैं पर अपनों से मिला क्या?
कहा जाता है जब अपनों से कुछ नहीं मिलता है
तब गैर तो गैर
अपने भी अपने न होते हैं
और कई गैर अपने से लगते हैं !

इसी कारण गैरों के मुकाबले रंगों की अजब गजब बनी,गेर, की ख्याति देश दुनिया में वायरल होकर खासकर इस चुनाव में गैर को अपना बनाने में जुटी है ।यही कारण है कि कुछ भी गैर मुमकिन नहीं है!

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

राजनीति

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गारंटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गारंटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दे तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं।

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछ्ला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो

नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है। अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विपक्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं। इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा।

एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। चुनावी बॉण्ड भी इसलिए अधिक बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा कि कमोबेस सभी दलों को चंदा मिला है। किसी ने भी इस तरह से चंदा लेने से ना नहीं किया। दूसरी और जहां तक आमआदमी का प्रश्न है वह जानता है कि चुनावी चंदा देने वाले पैसे वाले प्रभावशील लोग हैं। आमआदमी तो इतना चंदा देने से रहा। यह भी जानते हैं कि चुनावों के लिए चंदा लिया ही जाता है। दूसरी और मजे की बात यह है कि चंदा पैसों वालों से लेने के बावजूद आममतदाताओं को साधनें में सत्तारुढ़ दल सफल रहा है। साफ है कि चंदा देने वालों के वोट गिनती के ही होते हैं।

साफ है कि 18वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोप से पार पाना मुश्किल रहेगा। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार के चुनाव दस नेताओं के इर्द गिर्द रहेंगे इनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, खड़गे, शरद पंवार, ममता बनर्जी, नीतिश कुमार, तेजस्वी यादव, स्टालीन, असदुद्दिन ओवैसी आदि दशा और दिशा तय कर पायेंगे। पर मेरा मानना है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव नरेन्द्र मोदी के इर्द-गिर्द ही रहने वाला है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा के चुनाव परिणाम तो यही बताते हैं। ऐसे में विपक्ष को अलग ही तरह की रणनीति बनानी होगी।

विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में करने की महारत हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। यह साफ साफ समझ लेना होगा। इसमें कोई अतिश्योक्ति भी नहीं है कि मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनी है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

क्यों पढ़नी चाहिए यह किताब?

पुस्तक चर्चा

राजेन्द्र चौधरी

लेखक और इस पुस्तक के अनुवादक अर्थशास्त्र के भूतपूर्व प्रोफ़ेसर हैं।

मोहम्मद आमिर खान की 'आतंकवादी का फर्जी ठप्पा' (गुलमोहर क़िताब, 2024) किताब एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जिसे आतंकवादी कहकर करीब 14 साल जेल में रखा गया। आमिर पहला ऐसा निर्दोष व्यक्ति नहीं है। दुर्भाग्य से हम यह भी नहीं कह सकते कि वह अंतिम ऐसा व्यक्ति होगा। यह बात हमारे लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था की सीमा और संभावना दोनों को दर्शाती है कि यहाँ निर्दोष बरसों जेल में सड़ते हैं, पर कई बार ताकतवर लोगों की इच्छा के विरुद्ध बरी भी हो जाते हैं।

दो बातें आमिर के अनुभव को ख़ास बनाती हैं। आमिर '1998 में 18 साल की उम्र में जेल भेजा गया था और 14 साल बाद 2012 में जेल से रिहा हुआ है,' यानी आमिर की जवानी के सबसे बेहतरीन वर्ष जेल में गुजरे हैं; जिन दिनों में देश में मोबाईल फ़ोन, एटीएम और डिश-टीवी का फ़ैलाव हो रहा था, आमिर जेल में बंद था। बहुत बार तो वह, उत्तरप्रदेश की जेल की भाषा में, 'तनहाई' में बंद था जहां 'बे-आवाज एकांत बहुत भयावह था। जीवन ख़ूबसूरत हो सकता है इसका अहसास केवल कोठरी के बाहर उगे फूलों को देखकर होता था।'

दूसरी बात जो आमिर के अनुभव को ख़ास बनाती है वह यह है कि इतना अन्याय झेलने के बाद भी उसमें कटुता नहीं है, क्रोध नहीं है, उसके सपने ख़त्म नहीं हुए हैं। वह इस बात के लिए फिकरमंद और कमरबंद है कि बाहर निकलने पर उसे बेहतर समाज मिले। वह कहता है कि 'बुरी जगह में रहते हुए बुराई से दूर रहा। मैं जैसा था, वैसा ही बना रहा।' यह कोई छोटी बात नहीं है।

यह क़िताब एक रोमांचक जीवनी भी है; जिसके एक अध्याय में पुरानी दिल्ली की झलक मिलती है, तो दूसरे में पाकिस्तान के कराची की, एक अध्याय में तिहाड़ के अन्दर देखने का झरोखा है तो दूसरे में अदालतों के अन्दर का दृश्य है। पुलिस वाले अध्याय में यातना के कई प्रसंग दिल दहलाने वाले हैं, परन्तु ये चिर-परिचित भी हैं। यातना में कुछ नवाचार भी है- 'एक पानी का जग मेरे मुहँ पर लगा दिया और मुझे इतना पानी पिलाया कि मेरा पेट फूल गया। एक आदमी तब तक मेरे पेट पर कूदता रहा, जब तक मेरे मुहँ से पूरा पानी निकल आया।'

इसके बावजूद सब कुछ दुखद नहीं है। कुछ प्रसंग मुस्कराहट भी लाते हैं - 'मुझे कोई डर नहीं लगा। मैं पुलिस और जेल अधिकारियों से बात करना सीख चुका था। अपने होने वाले ससुर से बात करना पुलिस कप्तान से बात करने जैसा थोड़े ही था।' रिहाई के बाद 'मुझे एक एयर कंडीशनर भी दिया गया था, परन्तु बिजली का बिल भरने की मेरी क्षमता ही नहीं थी।' 'पुराना कैदी होने के कारण कैदियों में मेरा सम्मान होने लगा, वे मुझे खान साहेब कहने लगे।'

एक जीवनी से बढ़कर यह क़िताब एक कलात्मक उपन्यास सरीखी भी है। कई वाक्य ऐसे हैं जो आपके जेहन में अटक जाते हैं। 'पुलिस को आमिर को फंसाने में केवल दो महीने लगे, परन्तु उसे अपनी बेगुनाही साबित करने में 14 साल लग गए।' 'अब्बू कहते थे कि न्याय पाने के लिए सोने के हाथ होने चाहिये (क्योंकि यह बहुत महंगा होता है) और पैर लोहे के (क्योंकि बहुत भागदौड़ करनी पड़ती है, चप्पलें घिस जाती हैं)।'

उसके अब्बू ने यह भी कहा कि 'अच्छे लोगों की सोहबत में रहना और उनसे सीखना।' जेल के अन्दर भी उन्हें अच्छे की तलाश थी, आस थी। कमाल का आशावाद है। उनकी अम्मी भी इतनी ही आशावान थीं। 'अम्मी ने मेरा सारा सामान सम्भालकर रखा हुआ था। उन्होंने मेरी किसी चीज़ को किसी को नहीं दिया। मैंने वह टेप-रिकॉर्डर देखा जो मैं लाया था। अम्मी ने मेरे भांजे को भी उसे नहीं ले जाने दिया। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा जब वापिस आएगा तो इसे पूछेगा। उन्होंने आस कभी नहीं छोड़ी।'

शायद यह आशावाद ही है जिसने जेल की 'तन्हाई' में भी आमिर को ज़िंदा रखा- 'यह कल्पना करके ही मुझे अच्छा लगता था कि आलिया मुझे पत्र लिख रही है। उन दिनों आलिया के बारे में सोचना ही मेरे लिए सुकून का एकमात्र स्रोत था। मैं उसके पत्र को बार-बार पढ़ता था। जब भी मैं उसका पत्र पढ़ता तो हिंदी फ़िल्मों की तरह उसका चेहरा मेरे सामने आ जाता। वैसे तो उस पत्र में कुछ निजी नहीं था। उसने केवल वही लिखा था जो अम्मी ने उसे लिखने को कहा था।' वक्त का तकाजा समझकर आलिया आमिर को छोड़कर आगे बढ़ गई होती, तो समझ सकते थे, परन्तु उसका अनंत काल तक इंतज़ार करने का फैसला, जो 14 साल का निकला और जो 24 का भी हो सकता था, समझ से परे है। किसी दिन आलिया की कहानी भी सामने आनी चाहिए।

आमिर के 4 सह-आरोपी तो अदालत में पहले दिन ही बरी हो गए थे। 'शमीम अख्तर उसी समय सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। उसके वकील के कारण तीन और लोग भी बरी हो गए.... मुझे न्याय की आस दिखाई दी, परन्तु मुझे यह भी समझ आ गया कि वकील की गुणवत्ता पर काफ़ी कुछ निर्भर करता है। अब्बू उस वकील के पास गए और पूछा कि क्या वे मेरा केस लड़ेंगे। जब उन्होंने अपनी फीस बताई तो अब्बू बहुत परेशान हो गए, क्योंकि उनको पता था कि वे उतनी फीस नहीं दे सकते।'

इसलिए उसे न्याय मिलने में 14 साल लग गए, परन्तु इसके बावजूद उसे न्याय मिल पाया क्योंकि कुछ वकील, और उनमें कई हिन्दू वकील भी थे, जो नाम मात्र की फीस या बिना फीस के भी उसके लिए लड़े। उच्च न्यायालय, सोनीपत एवं रोहतक के केस तो कानूनी सहायता प्रकोष्ठ के वकीलों ने ही उसकी ओर से लड़े थे। इन सभी मुकदमों में पुलिस के दो मुख्य गवाह थे- खुशकिस्मती अथवा बदकिस्मती से एक हिन्दू और एक मुसलमान। हैरानी की बात यह है कि दोनों ने पुलिस की कहानी का समर्थन नहीं किया। क्या यह हैरानी की बात नहीं है कि अभी भी कुछ लोगों में पुलिस की हाँ-में-हाँ न मिलाने की हिम्मत है?

'मुझे एक युवा महिला वीणा, जो लंगड़ाते हुए अदालत में आई थी, याद आ रही है। कुमारी वीणा अभियोजन पक्ष की चौथे नंबर की गवाह थी। जब उसको मुझे पहचानने को कहा गया तो वह धीरे-धीरे मेरी ओर मुड़ी। हमारी आँखें मिलीं। मेरी आँखें दहशत से भरी थीं और उसकी आँखों में सवाल तैर रहा था। उसकी आँखें पूछ रही थीं कि क्या मैंने यह काण्ड किया था। मैं चिल्ला-चिल्लाकर कहना चाहता था कि मैं बेक़सूर था, कि मुझे झूठा फंसाया गया था। उसने मुझे देखा और फिर जज साहब की ओर मुड़कर कहा नहीं, उसने मुझे पहले कभी नहीं देखा।' सांप्रदायिक माहौल के बावजूद, बम्ब धमाके में पीड़ित भी एक निर्दोष को फंसाने से मना कर देती है।

'रमज़ान के महीने में पूरा समय मैं कसूरी कोठरी में था। मैंने अपने रोज़े रखे। एक हिन्दू कैदी देविंदर चुपके से मेरी कोठरी में खजूर और दूध की थैलियाँ फेंक दिया करता। एकजुटता के इन उपायों से ही जेल में जीवन चलता है और मेरी इंसानियत बची रही।' 'मैंने देखा कि जब भी नमाज़ का वक्त होता, हिन्दू कैदी अपनी आवाज़ कम कर लेते और अपने टेलीविज़न बंद कर देते। अगर हिन्दू अपनी पूजा कर रहे होते या सिख सुबह-सुबह अपनी अरदास कर रहे होते, तो मुसलमान और ईसाई कैदी चुप हो जाते थे।'

यह इंसानियत ही हमारी थाती है, जिसे बचाकर रखना है, जिसे अभी भी बहुत से लोग बचाकर रखे हैं। अगर जेल के अन्दर रहते हुए भी लोग न केवल इंसानियत बचाए रह सकते हैं, अपितु आमिर जैसे लोग सुधार के प्रयास कर सकते हैं और सफ़ल भी हो सकते हैं, तो हम लोग, जेल से बाहर के लोग, क्यों नहीं सफ़ल हो सकते?

यह किताब इसलिए भी पढ़ी जानी चाहिए कि अंग्रेज़ी में छपने के 8 साल बाद यह हिन्दी में छप रही है। पांच भाषाओं (मराठी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल और बांग्ला) में यह बरसों पहले छप चुकी है। पूरे उत्तर भारत में पढ़ी जा सकने वाली इस किताब को हिन्दी में छपने के लिए इतना लम्बा इंतज़ार करना पड़ा। हिन्दी के पाठक वर्ग को हिन्दी के प्रकाशकों को गलत साबित करने के लिए भी इस पुस्तक को पढ़ना चाहिए। (सप्रेस)

दावे, वादे कितने सही कितने कारगर

चुनाव 2024

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद अब अंतिम रूप से दलों, दोनों गठबंधनों एनडीए और इंडी के उम्मीदवारों की स्थिति करीब करीब स्पष्ट हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन दो तीन प्रांतो को छोड़कर सिर्फ कागज पर ही दिखाई देते है, अन्यथा जहां जो दल ज्यादा ताकतवर है उसी के ऊपर सारा दारमदार है। उसे जितनी सीटे मिली है उनमें से अधिक से अधिक जीत कर अपनी स्थिति मजबूत करना प्रथम लक्ष्य है। सिर्फ यूपी, महाराष्ट्र और बिहार में जहां दोनो गठबंधनों के दल पूरी तरह एक दूसरे पर निर्भर है, दोनों गठबंधनों के लिए जीवन मरण का प्रश्न है, प्रत्येक सीट पर साथी दल के उम्मीदवार को अपना वोट ट्रांसफर करवाए बिना अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होंगा। जो क्षेत्रीय दल इन दोनो गठबंधनों में शामिल नही है उनके लिए दोनो गठबंधन में से जो दल राज्य में मजबूत है वही प्रमुख प्रतिद्वंद्वी होगा, उदाहरण के तौर पर ओडिसा में पटनायक का बीजद और बीजेपी का मुकाबला। गठबंधन के इस अंदुरूनी गुणा भाग के नजरिए से आकलन करें तो उत्तर भारत में इंडी गठबंधन तो दक्षिण में एनडीए कमजोर नजर आता है। यहां राहुल गांधी के इस बयान का जिक्र जरूरी है कि चुनावी पिच सभी के लिए समान होना चाहिए। राहुल यह भूल जाते हैं कि उनके साथी दलों ने ही उसी पिच पर खेलने के लिए कांग्रेस को पुच्छले बल्लेबाजों की तरह जगह दी, कोई उम्मीद नहीं मगर दो चार पट्टे लग जाय तो रनो में कुछ बढ़ोतरी हो जाएंगी। बहुमत का दावा करने वाले गठबंधन के प्रमुख दल की यह स्थिति हो तो क्या नतीजे हो सकते है यह कहने की जरूरत नहीं है।

विपक्ष का सिर्फ और सिर्फ एक ही नारा है मोदी हटाओ देश बचाओ, सारे मुद्दे विपक्ष ने खुद ही गौण बना दिए। मोदी अमित शाह की जोड़ी भी यही चाहती थी, अपनी व्यूह रचना से विरोधी विचारधारा वाले दलों के नेताओं को अपने साथ जोड़कर पूरे चुनाव को राष्ट्रपति प्रणाली (प्रेसिडेंशियल फॉर्म ऑफ इलेक्शन) की तरह बना दिया। इसमें कोई दो मत नहीं कि विपक्षी गठबंधन में भी सारे दल विरोधी विचारधारा के साथ अपने अपने क्षेत्र में काफी मजबूत है। बावजूद इसके दक्षिणी राज्य और पंजाब के अतरिक्त वे बीजेपी से काफी कमजोर है। इसके अतिरिक्त इतनी मेहनत करने के बावजूद वे प्रधानमंत्री पद के लिए किसी एक नाम पर सहमत नहीं हो सके। इसके लिए यदि कोई दोषी है तो वह कांग्रेस है। पहले संयोजक, उसके बाद सीटो के बंटवारे में ज्यादा सीटे हथियाने के लालच में येन केन प्रकारेन इन विषयों को टालती रही। इसी उहापोह में नीतीश कुमार को गंवा बैठी। तर्क के आधार पर यह कहा जा सकता है कि नीतीश के पाला बदलने से इंडी गठबंधन को कोई नुकसान नहीं होंगा, बार बार पाला बदलने से नीतीश कुमार अपनी विश्वसनीयता खो चुके है। यह तर्क उचित है और सही भी है, लेकिन इससे इंडी गठबंधन कमजोर और बिहार में कांग्रेस ज्यादा कमजोर हुई, बीजेपी को सिर्फ यह फायदा हुआ कि विपक्षी गठबंधन एकदम कमजोर लगने लगा। कांग्रेस इस माने में कमजोर हुई कि बिहार में अब लालू तेजस्वी की जोड़ी पूरी तरह हावी हो गई एवं साथी दलों विशेषकर कांग्रेस को अपनी शर्तो पर नचाने लगी, पूर्णिया में पप्पू यादव की जगह आरजेडी उम्मीदवार को टिकिट मिलना इसका प्रमाण है। यूपी में समाजवादी पार्टी ने भी कांग्रेस के साथ इसी तरह का व्यवहार किया। सार रूप में कहा जाए तो इंडी गठबंधन में सारे क्षेत्रीय दल अपने अपने राज्य में अपना वजूद बचाने एवम कांग्रेस को कमजोर बनाए रखने के लिए ही शामिल हुए है, उनका लक्ष्य विधान सभा चुनाव के लिए अपनी स्थिति मजबूत करना है। इतना सब होने के बावजूद कांग्रेस के अपने करीब 250 उम्मीदवार मैदान में होंगे। याद कीजिए प्रशांत किशोर की जब कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा जोरों पर थी एवम करीब करीब यह तय था,श्च उस दौरान उन्होंने कांग्रेस को 230/ 250 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने एवम बाकी की साथी दलों को देने की रणनीति पर काम करने का सुझाव दिया था। पीके के कांग्रेस में शामिल नही हो पाने के अन्य कारण भी है, यह अलग विषय है। मगर गठबंधन की पहली या दूसरी बैठक में ही सबसे पहले सीट बंटवारे पर चर्चा कर अंतिम रूप दे दिया जाता तो गठबंधन कमजोर नजर नहीं होता और राहुल के नेतृत्व को भी स्वीकार कर लिया जाता। इससे जनता में एक सकारात्मक संदेश जाता। कहानी वही है ज्यादा हड़पने के लालच में जो मिल सकता था उसे भी कांग्रेस ने गंवा दिया।

दोनो गठबंधनों के स्वरूपों को देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि विचारधारा, नीति, नैतिकता का चुनाव में कोई महत्व नहीं रह गया। किसने कितना समझौता किया इसकी चर्चा महत्वहीन है कारण वोट इनके आधार पर नहीं मिलते।

यदि मुद्दों की बात की जाए तो विपक्ष के पास मुद्दो की कमी नहीं है, बावजूद इसके दो महत्वपूर्ण मुद्दों बेरोजगारी और महंगाई को लाख कोशिश के बावजूद विपक्ष किसी भी चुनाव में भुना नही पाया। विपक्ष यह आरोप लगाता है कि बीजेपी इन मुद्दों पर बात ही नही करती, सवाल यह है कि वह क्यों भटक जाता है। इन मुद्दो पर विपक्ष ने देश भर में कितने आंदोलन किए? किसानों आंदोलन में मदद कर विपक्ष ने लाभ लेना चाहा था, लेकिन बीजेपी ने बैकफुट पर आकर चुनाव में होने वाले नुकसान को बचा लिया। ये कुछ ऐसे विषय है यदि कुशल नेतृत्व हो तो सत्ताधारी दल के लिए चुनौती बन सकते है, लेकिन विपक्ष नेतृत्व विहीन हो तो दोष सत्ताधारी दल को नहीं दिया जा सकता। राहुल गांधी अपने प्रिय विषय अडानी अंबानी और सूट बूट वाली सरकार पर अपनी भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा में लगातार बोलते रहे, लेकिन किसी अन्य दल ने इन पर कभी उनका खुलकर समर्थन नहीं किया और ना उनकी मोहब्बत की दुकान चली। सुप्रीम कोर्ट का इलेक्टोरल बांड पर फैसले से जनता को यह लगा था कि अडानी अंबानी का नाम जरूर आयेगा शायद कांग्रेस भी यही उम्मीद कर रही थी लेकिन लिस्ट में उनकी कंपनियों का नाम नही होने से उनका आरोप बेदम हो गया। बीजेपी को सबसे ज्यादा चंदा मिलने को राहुल बड़ा मुद्दा बनाना चाहते थे, लेकिन कुछ विवादास्पद कंपनियों के नाम विपक्षी दलों को भी अच्छा खासा चंदा देने वालों में होने से सभी के सुर लचीले हो गए। रेनकोट पहन कर नहाने का यह सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। अभी विपक्ष को ताजा मुद्दा केजरीवाल की गिरफ्तारी का मिल गया, यह कितना असरकारक और कहा होगा इस पर आगे चर्चा करेंगे।

हम यदि यह मान ले कि एनडीए या बीजेपी के लिए सब कुछ ठीक ठाक और चुनावी पिच बहुत अनुकूल है तो यह भी अनुचित होंगा। सारी परिस्थितियों के बदलने के बावजूद 2004 की अटल जी की सरकार का हश्र भुलाया नहीं जा सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए मोदी ने बीजेपी के लिए 370 और गठबंधन को 400 सीटों का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रत्येक बूथ पर कम से कम 370 वोट पिछली बार से अधिक लाने के लिए जुट जाने का संदेश दिया है। उत्तर भारत में अपने पिछली बार के रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है। बीजेपी के लिए दूसरी बड़ी चुनौती उत्तर भारत में कुछ जगहों पर संभावित नुकसान की भरपाई के लिए दक्षिणी राज्यों में भरपाई का है। इसलिए मोदी ने पिछले दो महीनों में दक्षिणी राज्यों को एक तरह से रौंद डाला। एक एक महत्वपूर्ण सीट के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों का चयन इस दिशा में लिया गया ठोस निर्णय है। सफलता कितनी मिलती है यह नतीजों से ही पता चलेगा मगर मेहनत में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उत्तर भारत और दक्षिणी राज्यों में मतदाता बिल्कुल अलग अलग मुद्दो पर मतदान करता है। दक्षिण में क्षेत्रीयता और मजबूत क्षेत्रीय नेता के दम पर सत्ता मिलती है। राष्ट्रीय और राज्यो चुनाव दोनो में यही किसी भी दल के आधार स्तंभ है। जबकि उत्तर भारतीय राज्यों में धर्म, जातीय समीकरण और भावनात्मक मुद्दे ज्यादा कारगर होते है। इसमें में भी दो वर्ग है, एक जो थोड़ा आर्थिक रूप से पिछड़ा एवम कम पढ़ा लिखा है, वह कांग्रेस सरकार की तुष्टिकरण की नीति से नाराज है एवं राम मंदिर निर्माण तथा लाभार्थी होने से बीजेपी का समर्थक है। दूसरा वर्ग संपन्न और शिक्षित है, जो विकास, अंतर्राष्ट्रीय जैसे मुद्दों का पर भी अपनी राय रखता है। महंगाई और बेरोजगारी इनके लिए अहम विषय है लेकिन लंबे समय तक कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की नीतियों के कारण ये मुद्दे उनके लिए दूसरे स्थान पर चले गए। विपक्ष के तुष्टिकरण की नीति के चलते अब भावनात्मक एवं राष्ट्रीय मुद्दे जैसे राम मंदिर, मथुरा, काशी, धारा 370, सीएए इनकी प्राथमिकता पर आ गए। मोदी ने राम मंदिर, राष्ट्रवाद और तुष्टिकरण के मुद्दे को हर वर्ग के मन में ऐसा बैठा दिया है कि उच्च पढ़ा लिखा वर्ग भी जो इन विषयों पर अपनी चुप्पी बनाए रखना पसंद करता था, खुलकर इनके पक्ष में अपने विचार व्यक्त करने में संकोच नहीं करता। मप्र के धार में भोजशाला के संदर्भ में जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, कांग्रेस इससे कुछ सबक ले तो बेहतर होंगा। दो मुद्दे जो इन दिनों चर्चा में है इलेक्ट्रोरल बॉन्ड, केजरीवाल की गिरफ्तारी एवम ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग का कितना असर होंगा यह विचार करना जरूरी है। जहां तक इलेक्ट्रोरल बॉन्ड का विषय है गांव कस्बों वाले टीवी, समाचार पत्रों के जरिए जरूर जान चुके है लेकिन असली मामला क्या है उनकी समझ से बाहर है। इससे बीजेपी की छवि पर थोड़ा असर जरूर हुआ है, लेकिन मतदान पर कुछ असर करेगा ऐसा नहीं लगता। केजरीवाल की गिरफ्तारी का देहली, पंजाब एवम हरियाणा के अतरिक्त कोई प्रभाव पड़ेगा ऐसा अभी तक लोगो की प्रतिक्रिया से नहीं लगता। केजरीवाल की छवि बहुत अच्छी थी लेकिन राहुल की तरह मोदी पर बेबुनियादी आरोप लगाने और तुष्टिकरण की नीति से जनता उन्हें ना पसंद करने लगी है। देहली में मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम करने की वजह से वे सरकार बनाने में सफल हुए थे लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के मुकाबले उनकी विश्वसनीयता शंकास्पद है। पंजाब में उनकी सरकार एवम बीजेपी के कमजोर होने तथा देहली में सहानुभूति के बल पर कुल 8/10 सीट ले आए तो यह उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि होंगी।

इन दिनों बीजेपी खुले आम विरोधी को विशेष रूप से कांग्रेस से आए हुए नेताओं को थोक बंद शामिल कर रही है, इस वजह से उसके अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं में आक्रोश और निराशा होना स्वाभाविक है, लेकिन अमित शाह का उनकी सेवाओं को ध्यान में रखने के आश्वासन ने मरहम का काम किया है। यह सब जानते है कि बाद के वर्षो में अन्य दलों से आए हुए 90 प्रतिशत वापस चले जायेंगे लेकिन फिलहाल तो बीजेपी को लाभ ही है। इतनी बड़ी संख्या में शामिल होने वालों में से कितने ईडी और सीबीआई से परेशान है, क्या कांग्रेस यह बताने में सक्षम है? विपक्ष ईवीएम का जिन्न हर बार चुनाव के पहले बोतल से बाहर निकाल देता है, बेहतर होंगा विपक्ष जनता की ईवीएम (नब्ज) को सेट करने का प्रयास करें।

जेईई और नीट की तैयारी के लिए सही स्ट्रेटेजी जरूरी

मोटिवेशनल और करियर गाइडेंस सेमिनार में एनवी सर ने दिया सक्सेस मंत्र

बैतूल। भारत के प्रमुख मोटिवेशनल स्पीकर एवं शिक्षा विशेषज्ञ एनवी सर (नितिन विजय) ने शुक्रवार 5 अप्रैल को बैतूल के श्री जैन दादावाड़ी में छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मोटिवेशनल और करियर गाइडलाइंस सेमिनार में एनवी सर ने जेईई, नीट जैसी कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं में सफल होने के कुछ टिप्स बताए। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए केवल कोचिंग ही नहीं, विद्यार्थी और उसके पैरेंट्स की भी बड़ी भूमिका होती है।

सेमिनार के दौरान एनवी सर ने बच्चों के माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों से रोज बात करें और उनकी दिनचर्या पर नजर रखें, घर की समस्याओं और विवादों से दूर रखें, बच्चों को हर टेस्ट देने के लिए प्रेरित करें और उनकी गलतियों को पहचान कर दूर करने में मदद करें। यदि टेस्ट में नंबर कम आते हैं, तो बच्चे को बेहतर करने के लिए प्रेरित करें, फिर चाहे परिणाम जो भी आए, उसे पूरे दिल से स्वीकार करें। यह आश्वस्ति उन्हें हौंसला देगी।

उन्होंने आगे कहा, 'मोशन मिनिमम प्राइज़ पॉइंट' पर उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के मिशन पर है। हमने मोशन को ऐसा संस्थान बनाया है, जहां अमीर हो या गरीब, हर विद्यार्थी खास है। इसलिए हमने ऐसे मॉडल पर काम किया है, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता तो बढ़े, लेकिन लागत कम से कम आए। यही कारण है कि क्वालिटी एजुकेशन सबको अफोर्डेबल प्राइस पर मिल पा रही है। विद्यार्थियों को क्लास रूम और ऑनलाइन कोचिंग, दोनों के फायदे मिल रहे हैं। विद्यार्थियों को अपने कमजोर पक्ष को सुधारने में मदद के लिए मोशन की टीम ने एआई बेस्ड होमवर्क मशीन बनाई है। इसमें हम विद्यार्थियों की कमियों को समझने और उनको दूर करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें हम हर बच्चे को उसके स्तर के अनुकूल अलग-अलग कस्टमाइज़ प्रैक्टिस शीट्स, जैसे- इजी, मीडियम या टफ देते हैं। इस प्रकार कमजोर विषय की बार-बार प्रैक्टिस होती है और परीक्षा से पहले ही कमजोरी दूर हो जाती है। इससे आईआईटी, नीट की तैयारी आसान हुई है और कमजोरी दूर होने से एवरेज बच्चों के सिलेक्शन का अनुपात बढ़ रहा है। मोशन 17 साल में लाखों बच्चों को जेईई और नीट की तैयारी करवा चुका है। अपने अगले वित्तीय वर्ष में इसने 100 नए केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल 50,000 से अधिक विद्यार्थी मोशन से जुड़े हैं। संस्थान ने 15 राज्यों में 60 केंद्रों के साथ, देश में मजबूत उपस्थिति बनाई है। दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए मोशन पहले चरण में 30 से अधिक नए केंद्र जोड़ेगा। इससे संस्थान को देशभर में मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 1.5 से 2 लाख छात्र-छात्राओं तक पहुंचने की उम्मीद है।

लोकसभा चुनाव प्रशिक्षण में दूसरे दिन 242 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया भाग

6 अप्रैल को होगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

बैतूल/ मुलताई। शासकीय कन्या शाला में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय लोकसभा चुनाव 024 की निर्वाचन प्रशिक्षण के दूसरे दिन 242 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तृप्ति पटैरया, तहसीलदार अनामिका सिंह के मार्गदर्शन में एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर जितेंद्र प्रसाद खन्ना, रवि शंकर पवार तथा विधानसभा स्तर के 21 मास्टर ट्रेनर के माध्यम से मुलताई विधानसभा क्षेत्र में 850 पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक 1 -2 एवं 3 प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे जिनका कार्य लोकसभा निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपादित करना होगा। शासकीय कन्यशाला में आयोजित निर्वाचन प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्था स्कूल कक्षो में की गई है जिसमें प्रत्येक कमरे में 41 प्रशिक्षणानार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं सभी कक्षाओं में मॉनिटर एवं की भी व्यवस्था की गई है ताकि प्रशिक्षण के दौरान प्रैक्टिकल जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। तीन दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर का समापन 6 अप्रैल शनिवार को होगा।

महावीर इंटरनेशनल ने शुरू किया जल सेवा प्रकल्प

पक्षियों को दाना पानी के लिए 25 मिट्टी के सकोरे का वितरण

बैतूल। चिलचिलाती धूप में राहगीरों को जल की सुविधा प्रदान करने महावीर इंटरनेशनल संकल्प बैतूल द्वारा वीरा पूनमजी, वीरा सरला, वीरा सरला आरजी, वीरा सपना, वीरा राजुल, वीरा जूली, वीरा करुणा की उपस्थिति में बैतूल में 2 जगहों पर जल सेवा प्रारम्भ की और चिलचिलाती धूप में पक्षियों को राहत देने बैतूल बाज़ार गांव में घरों और दुकानों की छत और पेड़ों पर मिट्टी के सकोरे लगवाए। ज्यादा से ज्यादा लोगो को सेवाओं का लाभ देने के लिए गंज के मार्केट एरिया में और सदर के हॉस्पिटल रोड पर इस सुविधा का शुभारंभ किया गया। महावीर इंटरनेशनल संकल्प बैतूल ने गंज एरिया पर यह सुविधा पिछले साल भी दी थी। इस साल गर्मी का सीजन शुरू होते ही, आसपास के दुकानदार और रेगुलर आने वाले राहगीर इस जल सेवा केंद्र के शुभारंभ की राह देख रहे थे।

बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर व कन्या क्रीड़ा परिसर हमलापुर में प्रवेश प्रारंभ

बैतूल। बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर एवं कन्या क्रीड़ा परिसर हमलापुर में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित है। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि अनुसूचित जन जाति वर्ग के विद्यार्थी जिनकी आयु सीमा 11 वर्ष से 18 वर्ष के मध्य है और वह कक्षा 6वी से 12वी कक्षा में अध्ययनरत है, ऐसे अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्रा सत्र 2024-25 में बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर एवं कन्या क्रीड़ा परिसर हमलापुर बैतूल में प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने हेतु संबंधित क्रीड़ा परिसरों में 20 अप्रैल 2024 तक फार्म जमा कर सकते है। 15 जून से 20 जून तक विकासखंड स्तर पर चयन एवं 22 जून से 24 जून तक जिला स्तर पर अंतिम चयन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि क्रीड़ा परिसर में खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को विद्यावार कोच एवं संबंधित पीटीआई के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन, उपकरण किट, जूते मौजे इत्यादि सामग्री प्रदाय की जाती है।

आब्जर्वर श्री ठाकुर की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी ने की नाम निर्देशन प्रपत्रों की संवीक्षा

अभी तक 9 प्रत्याशी अंतिम दौर में

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नाम निर्देशन प्रपत्रों की संवीक्षा की। सामान्य आब्जर्वर प्रदीप कुमार ठाकुर की उपस्थिति में उन्होंने बताया कि 9 प्रत्याशियों द्वारा कुल 14 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए थे। इनमें 4 नामांकन भाजपा के डीडी उईके और कांग्रेस से रामू टेकाम ने 3 नामांकन दाखिल किए। शेष 7 प्रत्याशियों ने एक-एक नाम निर्देशन प्रस्तुत किया। सहायक कलेक्टर ऐश्वर्य वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद, सहायक रिटर्निंग अधिकारी राजीव कहार, मुख्य ट्रेनर विजयंत ठाकुर उपस्थित थे।

बैतूल संसदीय क्षेत्र-29 में अंतिम रूप से नियमानुसार 9 प्रत्याशियों भाजपा से दुर्गादास उईके, बहुजन समाज पार्टी से अशोक भलावी, इंडिया नेशनल कांग्रेस से रामू टेकाम, बहुजन मुक्ति मोर्चा से भूरेलाल बेठेकर, भारत आदिवासी पार्टी से अनिल उईके, निर्दलीय केशोराव उईके, निर्दलीय भागचरण वरकड़े, स्वतंत्र किसान पार्टी/निर्दलीय सुभाष बारस्कर

एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से सुनेर उईके के नामांकन की घोषणा की। इस अवसर पर प्रत्याशी केशोराव उईके, अशोक भलावी बसपा, अनिल उईके भारत आदिवासी पार्टी एवं दल प्रतिनिधियों के रूप में आईएनसी हेमंत पगारिया, आईएनसी राजा सोनी, आईएनसी हेमंत वागद्रे, भारत आदिवासी पार्टी से शरीफ शाह और भाजपा के कैलाश धोटे उपस्थित थे।

नाम निर्देशन प्रपत्र की संवीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा माइक पर उद्घोषणा स्वरूप एक-एक प्रत्याशी द्वारा भरे गए एक-एक बिंदु का उल्लेख करते हुए कि जानकारी से प्रत्याशियों और प्रत्याशियों के जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया। यथा नाम निर्देशन पत्र में सभी स्थानों की पूर्ति की गई है। अभ्यार्थी प्रस्तावक के नाम यथा स्थान भरे गए है। शपथ पत्र के सभी कॉलम भरे गए है। संलग्न जाति प्रमाण पत्र के अनुसार अभ्यर्थी अनुसूचित जाति वर्ग से है।

आब्जर्वर श्री ठाकुर ने किया एमसीएमसी और एमसीसी का निरीक्षण

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में संसदीय क्षेत्र बैतूल के लिए नियुक्त सामान्य आब्जर्वर प्रदीप कुमार ठाकुर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा कलेक्ट्रेट भवन में स्थापित एमसीएमसी और एमसीसी प्रकोष्ठ में पेड न्यूज एवं शिकायतों की मॉनिटरिंग का अवलोकन कर मॉनिटरिंग कार्यों की समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए स्थापित मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग सेल एमसीएमसी के बारे में बताया कि सभी प्रत्याशियों को निर्वाचन के लिए

अधिकतम राशि 95 लाख की सीमा आयोग द्वारा निर्धारित की गई है। प्रत्याशियों द्वारा विभिन्न प्रचार माध्यमों से अपने पक्ष प्रचार प्रसार कराया जाता है। मॉनिटरिंग सेल द्वारा पेड स्वरूप के समाचार, सभी विज्ञापनों की मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके अंतर्गत प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर निरंतर 2437 मॉनिटरिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मीडिया सर्टिफिकेशन की कार्रवाई जिनमें हैण्डबिल और पम्पलेट के प्रकाशन के पूर्व कंटेंट का प्रमाणीकरण तथा वीडियो वैन के प्रकरण में एलईडी पर विजुअल्स का प्रमाणीकरण भी किया जाता है। प्रमाणीकरण के उपरांत ही आवेदक उसका उपयोग कर सकेगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि सोशल मीडिया पर फेक न्यूज के प्रसारण को भी मॉनिटर किया जा रहा है। किसी भी माध्यम से कोई फेक न्यूज का प्रसारण करता है तो तुरंत उसका खंडन जिला निर्वाचन अधिकारी के संज्ञान में लाकर एनआईसी के माध्यम से कराया जाएगा।

पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण में पहुंचे- लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र बैतूल के लिए नियुक्त सामान्य आब्जर्वर प्रदीप कुमार ठाकुर गुरुवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय घोड़ाडोंगरी में पीठासीन अधिकारियों व मतदान क्रमांक-1 अधिकारियों के प्रशिक्षण केन्द्र पहुंचे। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर ऐश्वर्य वर्मा, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, शाहपुर एसडीएम, तहसीलदार घोड़ाडोंगरी महिमा मिश्रा, तहसीलदार शाहपुर सुनयना ब्रम्हे व नायब तहसीलदार सारणी संतोष पथोरिया उपस्थित थे।

समय रहते प्रारंभ नहीं हो सका बैतूल रोड निर्माण

ठेकेदार ने नहीं दिखाई निर्माण में रुचि, आचार संहिता के बाद ही होगा निर्माण कार्य प्रारंभ

बैतूल/मुलताई। लोक निर्माण विभाग द्वारा नगर के मध्य से गुजरने वाली परमंडल से कामथ सड़क की टेंडर प्रक्रिया आचार संहिता के पूर्व पूर्ण किए जाने के बावजूद भी ठेकेदार प्रमंडल से कामथ सड़क का कार्य प्रारंभ नहीं कर सका जिसके चलते अब निर्माण कार्य आचार संहिता कार्यकाल तक लटक् गया है। और जिस प्रकार ठेकेदार ने सभी विभागीय कार्रवाई पूर्ण होने के बावजूद भी कार्य प्रारंभ करने में रुचि नहीं दिखाई है। उससे सड़क के भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विभागीय सूत्र बताते हैं कि परमंडल

जोड़ से ड्रीमलैंड सिटी तक 1 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से 1 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाना है जिसका टेंडर राही कंस्ट्रक्शन को दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद वर्क ऑर्डर अनुबंध सहित सभी कार्यवाही आचार संहिता के पहले लोक निर्माण विभाग द्वारा कर ली गई थी और माना जा रहा था कि आचार संहिता से पूर्व निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा किंतु ठेकेदार ने समय रहते कार्य प्रारंभ करने में कोई रुचि नहीं दिखाई और अब यह कार्य आचार संहिता के बाद ही प्रारंभ हो सकेगा।

ड्रीमलैंड सिटी तक ही बनेगी 7 मीटर चौड़ी सड़क- नगर वासी लंबे समय से प्रजामंडल से कामत तक सड़क निर्माण की बाटजोह रहे हैं किंतु इस बार भी नगर वासियों का यह सपना पूरा नहीं हो सकेगा क्योंकि इस बार भी चौड़ी सड़क का निर्माण परमंडल जोड़ से ड्रीमलैंड सिटी तक एक किलोमीटर ही होगा। मुख्य सड़क की चौड़ाई 7 मीटर होगी। इसकी विशेषता यह है कि 7 मी मुख्य सड़क के बाद दोनों भाग में 6-6 फिट का कांक्रीट शोल्डर एवं नालियों का निर्माण किया जाएगा।

इनका कहना

लोक निर्माण विभाग ने अपनी ओर से सभी विभागीय कार्रवाई पूर्ण कर दी थी किंतु ठेकेदार समय सीमा में सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं कर सका इसलिए अब आचार संहिता के बाद ही निर्माण प्रारंभ हो सकेगा।

- राजेश राय, एसडीओ लोक निर्माण विभाग मुलताई

वनों को आग से बचाने दक्षिण वन मंडल ने बनाई रणनीति

डीएफओ के नेतृत्व में अग्नि सुरक्षा की तैयारियों में जुटा वन अमला, एसएमएस से मिलेगी आग लगने की सूचना

बैतूल। दक्षिण बैतूल (सामान्य) वनमंडल ने फायर सीजन 2023-24 के लिए वन अग्नि सुरक्षा की तैयारियों को पूरा कर लिया है। वनमंडलाधिकारी विजयान्नतम् टी.आर. ने बताया कि नवंबर माह में फायर लाईन साफ-सफाई एवं जलाने का कार्य पूरा हो चुका है। इससे वनों को आग से बचाने में मदद मिलेगी। इस सामूहिक प्रयास के अलावा दक्षिण बैतूल (सामान्य) वनमंडल ने वनों के संरक्षण के लिए नवीनतम तकनीकी उपकरणों का भी उपयोग किया है। इससे वनकर्मियों को आग से लड़ने और उसे नियंत्रित करने के लिए अधिक अच्छे साधन प्राप्त हो रहे हैं। इस तरह की नवाचारों और प्रयासों से दक्षिण बैतूल (सामान्य) वनमंडल ने वनों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण प्रगति की है और वन अग्नि के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डीएफओ विजयान्नतम टी.आर. ने बताया कि आग वनों को अत्यधिक हानि पहुंचाती है, यह पेड़-पौधों, वन्य प्राणियों, वायु प्रदूषण के साथ भूमि की उर्वरा शक्ति पर भी विपरीत प्रभाव डालती है एवं बड़ी मात्रा में वनक्षेत्र प्रभावित होता है। वन अग्नि के दुष्प्रभाव से बैतूल जिला भी अछूता नहीं है। चूंकि बैतूल जिले का अधिकांश भाग सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला अंतर्गत आता है अतः वनक्षेत्र अत्यन्त दुरह, पहाड़ी, खाई, घाटियों से घिरा रहता है जिस कारण आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर अग्नि प्रभावित स्थल तक पहुंचकर भीषण गर्मी में आग बुझाना अत्यन्त दुरह कार्य है। नवम्बर माह से ही विशेष अभियान चलाकर भारतीय वन सर्वेक्षण के वेब पोर्टल वन अग्नि 3.0 पर वनमंडल अंतर्गत समस्त समितियों/ग्राम के सभी सदस्यों के मोबाईल नम्बर पंजीकृत कराये गये ताकि प्रत्येक व्यक्ति को आग लगने की सूचना एस.एम.एस. के माध्यम से प्राप्त हो सके, इस पंजीकरण कार्य में जनप्रतिनिधियों, अन्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के मोबाईल नम्बर भी पंजीकृत कराये गये है। दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा वर्तमान में पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा 6272 मोबाइल नंबरों का पंजीकरण किया गया है, जिसके लिए वन विभाग द्वारा दक्षिण बैतूल वनमंडल की प्रशंसा की गई है। उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में कुल 74374 मोबाइल नंबर पंजीकृत किये गये है।

फायर कन्ट्रोल सेन्टर स्थापित- वन अग्नि की त्वरित सूचना के आदान प्रदान एवं दूरदराज के वनक्षेत्रों में आग की सूचना प्रेषित करने हेतु वनमंडल स्तर पर 'फायर कन्ट्रोल सेन्टर' स्थापित है, जो कि 24 घंटे कार्यरत रहता है जिससे वन अग्नि की सूचना तत्काल संबंधित बीट में पदस्थ वन कर्मचारियों को प्राप्त हो जाती है, जिससे कम से कम समय में आग पर नियंत्रण पाया जा सकता है। आग पर नियंत्रण पाने हेतु प्रत्येक परिक्षेत्र को ब्लोअर भी प्रदाय किये गये जिससे आग पर नियंत्रण पाने में आसानी होगी। वन कर्मचारियों को इस हेतु प्रशिक्षण भी दिया गया। वनों को आग से बचाने हेतु अलग-अलग टीम बनाकर वनक्षेत्र में निरंतर गश्ती की जा रही है।

एसएमएस से मिलेगी आग की सूचना

इन पंजीकरणों से एस.एम.एस. के माध्यम से आग की सूचना समय प्राप्त होगी, जिससे अग्नि प्रभावित स्थल पर अतिशीघ्र पहुंच कर आग बुझाने का कार्य समय पर किया जा सकेगा। वनमंडल अंतर्गत समस्त वनसुरक्षा एवं ग्राम वन समितियों की विशेष अग्नि सुरक्षा हेतु 114 बैठकें आयोजित की गई जिसमें माननीय मुख्य वनसंरक्षक, वन वृत बैतूल एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल स्वयं भी उपस्थित रहे तथा ग्रामों में विभिन्न खेल प्रतियोगिता जैसे क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी आयोजित कर वनों को आग से बचाने हेतु ग्रामवासियों को प्रेरित किया गया। वनों को आग से बचाने हेतु जागरूकता शिविरों का भी आयोजन किया गया तथा वन अग्नि सुरक्षा हेतु पोस्टर पेम्पलेट प्रत्येक ग्राम में उचित स्थानों पर चस्पा किये गये है। साप्ताहिक बाजारों में मुख्य स्थानों पर ऑडियो/ वीडियों के माध्यम से वनों में आग नहीं लगाने हेतु आमजन को जागरूक किया गया। वनों को आग से बचाने हेतु "SOP", 'वन अग्नि दिशा निर्देश' जारी किये गये। चूकिं आग स्वयं नहीं लगती अतः ऐसे कृषिभूमि क्षेत्र जो कि वन सीमा के नजदीक है कृषि भूमिधारकों को विशेष रूप से आग न लगाने हेतु प्रेरित किया गया है। ग्रामवासियों को महुआ वृक्षों के नीचे आग न लगाने हेतु समझाईश दी गई, नेट के माध्यम से महुआ संग्रहण कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

दृष्टिकोण

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

कहते हैं राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसमें कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं रहता है। राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनस निगलते बन रही है ना ही उगलते।

बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है। चिराग पासवान के एनडीए में वापस आने के चलते सीट शेयरिंग में उन्हें पांच सीट दे दी गई। जबकि उनके विरोधी चाचा पशुपति पारस वाली लोक जनशक्ति पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं दी गयी।

इससे नाराज होकर पशुपति पारस लालू यादव नीत महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू यादव ने पशुपतिनाथ पारस को घास नहीं डाला और उनकी पार्टी को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी। इससे पशुपति पारस की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई। और वह फिर से एनडीए में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करने लगे हैं। पशुपति पारस के चक्कर में उनके दूसरे भतीजे प्रिंस राज भी इस बार बिना टिकट ही रह गए। उन्हें भी किसी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है।

कहां जा रहा है कि भाजपा द्वारा पशुपति पारस को चिराग पासवान का समर्थन करने के बदले राज्यपाल का पद व प्रिंस राज को बिहार सरकार में मंत्री बनाने का ऑफर दिया गया था। मगर उन्होंने उस ऑफर को छोड़कर महागठबंधन से सीट लेने के चक्कर में केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा देते हुये एनडीए के खिलाफ बयानबाजी कर दी थी। अब देखते हैं चुनाव के बाद आगे पशुपति पारस व उनके भतीजे प्रिंस राज का फिर से राजनीतिक पुनर्वास होता है या वह राजनीति के बियाबान में खो जाते हैं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद ही लग पाएगा। फिलहाल तो पशुपति पारस ना घर के रहे ना घाट के रहे वाली स्थिति में है।

खुद को सन ऑफ मल्लाह कहलाने वाले विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ है। कभी मुंबई की फिल्में इंडस्ट्री में काम कर पैसे कमाने वाले मुकेश सहनी की फितरत एक जगह टिकने की नहीं रही है। वह बिहार में बड़ी राजनीति करने का सपना देखते रहते हैं। इसी चक्कर में वह अलग-अलग गठबंधनों में शामिल होकर चुनाव लड़ते रहे हैं। मगर कभी चुनाव नहीं जीत पाए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने बिहार के एनडीए गठबंधन में शामिल होकर 13 सीटों पर अपनी पार्टी को चुनाव लड़वाया था और उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे। उनका स्वयं को भी नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाया गया था। मगर अपनी फितरत के मुताबिक वह अधिक समय तक गठबंधन में नहीं टिक पाए। तब भाजपा ने उनके विधायकों को तोड़ लिया और वह अकेले रह गए। अब उनका विधान परिषद का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्होंने फिर से भाजपा के एनडीए व लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रयास किया था। मगर उनके मांग पत्र व सीटों की संख्या देखकर किसी भी गठबंधन ने उनसे तालमेल करना मुनासिब नहीं समझा। दोनों ही गठबंधन उन्हें बातों में उलझाए रखा और अंत में किसी ने भी उनके साथ तालमेल नहीं किया। आज मुकेश सहनी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें अपने ही दम पर चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा।

पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू यादव किसी समय बिहार में चर्चित युवा नेता होते थे। कम उम्र में ही कई बार सांसद, विधायक बनने वाले पप्पू यादव की बाहुबली वाली छवि के चलते उन्हें चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। एक समय उन्होंने शरद यादव जैसे दिग्गज नेता को भी हरा दिया था। मगर अब समय का फेर देखिए आज वही पप्पू यादव एक टिकट के लिए मारे मारे घूम रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से अपने संबंध सुधारने के लिए उनके आवास पर जाकर हाजिरी भी दे दी थी। फिर उन्होंने अपनी जन अधिकार पार्टी का दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में जाकर कांग्रेस में विलय कर दिया था।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू प्रसाद यादव ने पप्पू यादव को माफ नहीं किया था और उसके साथ खेला कर दिया। लालू यादव ने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान पूर्णिया की सीट अपनी पार्टी राजद के खाते में रखकर वहां से जदयू की विधायक बीमा भारती को राजद प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसके चलते पप्पू यादव का पूर्णिया से कांग्रेस प्रत्याशी नहीं बना पाई। अब पप्पू यादव ने घोषणा की है की जान चली जाएगी तब भी पूर्णिया को नहीं छोड़ेंगे और वह पूर्णिया से ही निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

पप्पू यादव के बयान पर कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने उनसे कन्नी काटते हुए कहा है कि पप्पू यादव ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है लेकिन खुद पार्टी के सदस्य नहीं बने हैं। ऐसे में वह कहीं से भी चुनाव लड़ने को स्वतंत्र है। कांग्रेस पार्टी को उनसे कोई लेना देना नहीं है। पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने के बाद पप्पू यादव की हालात देखते ही बनती है। वह न घर के रहे ना घाट के उल्टे उनके बने बनाये समीकरण और बिगड़ गए हैं। हालांकि पिछले चुनाव में पप्पू यादव ने मधेपुरा से लोकसभा चुनाव लड़ा था। जहां उनकी जमानत जप्त हो गई थी। उन्हें मात्र 97631 यानि 8.51 प्रतिशत वोट ही मिले थे। जबकि 2014 में वह मधेपुरा से चुनाव जीते थे। मधेपुरा में पिछली बार जमानत जब्त होने के चलते पप्पू यादव इस बार पूर्णिया से चुनाव लड़ रहें हैं। पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन कांग्रेस से राज्यसभा सांसद व पार्टी की राष्ट्रीय सचिव है। पूर्व में वह सहरसा व सुपौल से सांसद भी रह चुकी हैं।

ग्रीष्मकालीन बेडमिंटन समर कैम्प का आयोजन एलएनबी क्लब में

देवास। लक्ष्मीनारायण भुवन क्लब द्वारा 15 से 30 अप्रैल 2024 तक ग्रीष्मकालीन बेडमिंटन समर कैम्प का आयोजन लक्ष्मीनारायण भुवन क्लब में किया जा रहा है। जिसमें क्लब अध्यक्ष आनंद दुबे, सचिव दिलीप सिंह चौधरी, खेल सचिव मनीष अग्रवाल के मार्गदर्शन में एनआईएस कोच रोहित गुप्ता,राजवीर ठाकुर द्वारा खिलाड़ियो को बेडमिंटन खेल का प्रशिक्षण व बारिकियाँ सिखाई जाएगी साथ ही फिजिकल फिटनेस योगा व मैडिटेशन का अभ्यास भी कराया जाएगा। कैम्प में 19 वर्ष से कम उम्र वाले खिलाड़ियों को ही भाग लेने की अनुमति रहेगी। कैम्प के अंतिम दिनो में समस्त खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। जो भी खिलाड़ी कैम्प में अपनी प्रविष्टि भेजना चाहते है वह क्लब मैनेजर बाबूलाल कुशवाह से 9617282727 पर सम्पर्क कर सकते है।

बीएनपी के संयुक्त महाप्रबंधक दास को दी भावभीनी विदाई

कई संस्थाओं ने अलग-अलग जगहों पर किया सम्मान

देवास। एसपीएमसीएल के उच्च निर्देशानुसार निगम के सभी इकाइयों में नियम अनुसार ट्रांसफर किए गए हैं। जिसमें बैंक नोट प्रेस से भी 11 उच्च अधिकारियों के थोकबंद तबादले किए गए। जिसमें सभी अधिकारियों ने कार्यक्रम आयोजित कर रामाश्रय होटल पर सभी अधिकारियों का विदाई समारोह आयोजित कर स्वागत किया। इसी कड़ी में संयुक्त महाप्रबंधक नितिन कुमार दास जो कि सकारात्मक सोच एवं उच्च विचारों के धनी, संस्थान एवं देवास शहर का चौहमुखी विकास हो इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। क्योंकि श्री दास देवास के रहने वाले अधिकारी है वह 2014 में नासिक से देवास आए थे अब उनका स्थानांतर पुनः नासिक हुआ है। प्रेस के अधिकारियों, कर्मचारियों और सभी यूनियनों , मानस शिव मंदिर समिति , शहर की सामाजिक संस्थाओं ,चामुंडा सेवा समिति ,यशवंत व्यायाम शाला क्लब, युवा शक्ति ग्रुप आदि संस्थाओं ने अलग-अलग स्थान पर शाल श्रीफल एवं उपहार देकर उन्हें विदाई दी एवं उनके स्वस्थ जीवन की कामना की।

आयुक्त ने किया स्पोर्टस पार्क का निरीक्षण

पार्क में घास व पेड़-पौधों को नियमित पानी दिये जाने के दिये निर्देश

देवास। शहर में औद्योगिक क्षेत्र में स्थित श्रीमंत तुकोजीराव पवार स्पोर्टस पार्क सिटीजनों व आम नागरिकों के सुबह व शाम को घुमने आने व खिलाडियों के द्वारा विभिन्न खेलों हेतु अभ्यास किये जाने हेतु उपयोग किया जाता है तथा नागरिकगण अपने परिवार के साथ स्वास्थ्य लाभ एवं बच्चों के मनोंरजन हेतु पार्क में घूमने आते हैं। स्पोर्ट पार्क का आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा औचक निरीक्षण कर संबंधित कर्मचारियों को गर्मी के मौसम मे पार्क की घास तथा यहॉ पर स्थित वृक्षों, पेड़ पौधों में भी नियमित पानी देने व पार्क मे निरंतर साफ सफाई करवाये जाने के निर्देश दिये गये। आयुक्त ने पार्क का पैदल भ्रमण किया तथा रात्रि में प्रकाश व्यवस्था व अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के निर्देश भी दिये। आयुक्त ने शहर मे स्थित ग्रीनकृरी में भी प्रतिदिन पेड़ पौधों मे पानी दिये जाने के भी निर्देश संबंधितों को दिये।

श्री खाटू श्याम फाग महोत्सव आज

देवास। श्री खाटू श्याम सेवा समिति देवास द्वारा श्री श्याम वाटिका कालानी बाग पर आज श्री खाटू श्याम फाग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अमित पंडित ने बताया कि फाग महोत्सव में श्याम बाबा की ज्योत जलाकर छप्पन भोग लगाया जाएगा तथा महाआरती की जाएगी। भजन संध्या में जयपुर के भजन गायक चैतन्य दाधीच द्वारा बाबा के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। श्री खाटू श्याम सेवा समिति ने सभी श्याम भक्तों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर फाग महोत्सव का आनंद लें।

भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए अबकी बार 400 पार : जगदीश देवड़ा

जगदीश देवड़ा अनुसूचित जनजाति समाज के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल हुए

धार। शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने अनुसूचित जनजाति समाज के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर आगामी चुनाव को लेकर हमारी कार्ययोजना - तैयारियों व अन्य सांगठनिक विषयों पर चर्चा की तथा सुझावों का आदान-प्रदान किया। बैठक में अतिथियों द्वारा सर्व प्रथम भारत माता व पितृ पुरुष सहित जनजाति महापुरुष जननायकों के चित्रों पर माल्यापर्ण किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय संगठन ने धार महू लोकसभा चुनाव क्षेत्र से एक जनजाति समाज की सामान्य कार्यकर्ता को मौका दिया यह आप सभी जनजाति समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमे गर्व है की हम भाजपा के कार्यकर्ता है विश्व के सबसे बड़े दल व विश्व के नेता नरेंद्र मोदी इस पार्टी के नेता है । किसी विशेष विचारधारा के तहत कार्य कर रहे है सत्ता के लिए नही । राष्ट्रीय विचार धारा व भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए अबकी बार चार सौ पार करेंगे।

इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा,भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी,लोकसभा चुनाव प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, संयोजक प्रभु राठौर,जिला प्रभारी श्याम बंसल,भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल,जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा,विधायक कालू सिंह ठाकुर मंचासीन थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वारा सेना रिटायर्ड मेजर डावर का सम्मान किया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि बैठक में पूर्व मंत्री जगदीश मुवेल,जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़, जयराम गावर लालसिंह बर्मन,संजय बघेल,पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया,शिवराम कनौज मोर्चा जिला महामंत्री राजू मकवाना,जिला मंत्री जमुना भूरिया,लक्षण पटेल,करण सिंह सहित जनजाति समाज के प्रमुख 50 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन वीरेंद्र सिंह बघेल आभार शैलेंद्र सिंह अलावा ने किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए

समाज के प्रबुद्धजन जनमत निर्माण का कार्य करते हैं : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

धार। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को शहर के निजी गार्डन में प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। सर्व प्रथम भारतमाता के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया।

प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के प्रबुद्धजन जनमत का निर्माण करने का कार्य करता है। इस प्रजातंत्र में आप सभी का बड़ा महत्व होता है प्रजातंत्र में जनता मालिक और जनप्रतिनिधि सेवक रहता है। मुझे गर्व है कि हमारा संगठन पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारधारा तथा देश हित को ध्यान मे रखकर कार्य करता है रोटी कपड़ा और मकान सहित स्वास्थ्य शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चिंता कर इस मिशन को पूरा कर रहे है। मोदी जी के प्रति देश में अपार उत्साह है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि प्रबुद्धजन सम्मेलन में भाजपा लोकसभा चुनाव प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, जिला प्रभारी श्याम बंसल,प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ जिला संयोजक वल्लभ अग्रवाल, समाजसेवी योगेश अग्रवाल, प्रमोद टोंगिया,श्रेणिक गंगवाल, हेमा जोशी मंचासीन थे। संचालन व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक मोहित तातेड़ व आभार व्यक्त प्रवीण टांक ने किया।

स्वास्थ्य शिविर

वृद्धजन भोजन पोषण व हृदय पर विशेष ध्यान दें: डॉ. नरगावे

धार। भोज शोध संस्थान के स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प सुपर 60 प्लस के द्वारा अप्रैल माह में 74 वां सुपर 60 प्लस स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। भोज शोध संस्थान विक्रम ज्ञान मंदिर लाल बाग परिसर में आयोजित हृदय व डायबिटीज जांच निदान शिविर में प्रसिद्ध डायबिटीज और हृदय रोग विशेषज्ञ डा हेमंत नरगावे ने वृद्धजन की जांच की व परामर्श प्रदान किया। डॉ नरगावे ने कहा कि वृद्धजन जितना भोजन करते है उतना ही करे पर दो की जगह चार समय। प्रतिदिन हल्के व्यायाम के साथ घूमने को प्राथमिकता दे। स्वागत उद्बोधन व प्रस्तावना भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने रखी। जांच कार्य में सहयोग जी कोर मैडम का रहा। अतिथि स्वागत अशोक कुलकर्णी ने किया। संवाद में कवि नंदकिशोर उपाध्याय ने कविता व भजन गायक नरवरसिंह ठाकुर ने भजन प्रस्तुत किये। पोष्टिक आहार मीनाक्षी लहरे द्वारा करवाया गया। संचालन व आभार प्रकल्प प्रभारी दुर्गेश नागर ने व्यक्त किया। जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

पांच दिवसीय भगवान झूलेलाल महोत्सव का आयोजन आज से

देवास। पूज्य सिंध हिन्दू पंचायत के अध्यक्ष अनिल पंजवानी एवं सचिव अशोक पेशवानी ने बताया कि पूज्य सिंध हिन्दू पंचायत द्वारा पांच दिवसीय भगवान झूलेलाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 6 अप्रैल को प्रातः 11 बजे समाज के ब्राह्मणों द्वारा ध्वज पूजन एवं भगवान श्री झूलेलाल की महाआरती होगी। दोपहर को 12.30 से 2.30 बजे तक स्व. चंद्रपाल पंजवानी परिवार द्वारा दरिद्र नारायणों का भंडारा आयोजित होगा। 7 अप्रैल को प्रातः 9 बजे मोहनधाम मंदिर से वाहन रैली निकाली जाएगी जो कि सिंधु भवन ट्रस्ट उज्जैन रोड पर संपन्न होगी। शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक सिंधी समाज मिलन समारोह एवं फूड फेस्टिवल का आयोजन होगा। रात्रि 9 बजे से रंगारंग कार्यक्रम होगा जिसमें सिंधी म्यूजिकल पार्टी ग्वालियर द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। 8 अप्रैल को रात्रि 8.30 बजे से सिंधी महिला मंडल द्वारा ब्रह्माण्ड की सैर का आयोजन होगा। 9 अप्रैल को सिंधी युवा समिति एवं समाज के कलाकारों द्वारा द स्टोरी ऑफ संत कंवरराम डांस प्रतियोगिता का आयोजन रात्रि 8.30 बजे से होगा तथा पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। 10 अप्रैल को सायं 5 बजे श्री बहराणा सा. का पूजन होगा। शाम 6 बजे महंत स्वामी श्री गुरूचरणजी महाराज द्वारा भगवान झूलेलाल की भव्य शोभा यात्रा का प्रारंभ किया जाएगा। रात्रि 9 से 11 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समाज अध्यक्ष एवं सचिव ने सभी समाजजन एवं अन्य समाज के लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर भंडारे की प्रसादी ग्रहण करें। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी संजय तलरेजा ने दी।

विधवा की जमीन से अतिक्रमणकारियों को हटाया

नर्मदापुरम। गांधी पार्क के पास विधवा महिला कृष्णाबाई मुदल की जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। इसे लेकर कृष्णाबाई लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रही थी, पर कब्जा नहीं हट रहा था। इस मामले को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के आदेश के बाद शुक्रवार को आज अतिक्रमण अमले ने इस अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की। इस अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए कई सालों तक विधवा कृष्णाबाई ने कानूनी लड़ाई लड़ी पर अतिक्रमणकारी हटने को तैयार नहीं थे । जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा था यह पूरा मामला 25 साल में फैसले पर पहुंचा इसकी लड़ाई चल रही थी। पूरे मामले में पटवारी और आर आई की भी लापरवाही बताई जा रही। जो अतिक्रमण हटाने में टालमटोली कर रहे थे इस पूरे मामले में अब कमिश्नर सहित कलेक्टर के भी आदेश हो गए थे। अतिक्रमणकारियों ने आदेश के विरुद्ध अपील की थी जो खारिज कर दी गई थी और कलेक्टर ने विधवा महिला के पक्ष में निर्णय देते हुए आदेश दिया था कि यह अतिक्रमण हटाया जाए.. जिसे नगर पालिका अतिक्रमण अमले ने हटाने की कार्रवाई करते हुए अतिक्रमणकारियों से जमीन मुक्त करा दी।

श्री रामनवमीं उत्सव को लेकर बैठक आज

सुबह सवेरे सोहागपुर

श्री राम जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में शनिवार को प्राचीन बाबड़ी वाले मंदिर में श्री रामनवमी उत्सव बनाने के संबंध में 6 अप्रेल को शाम 4बजे बैठक आयोजित की गई है। समिति ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कारण रामनवमी उत्सव भव्य रूप से मनाने का संकल्प लिया है। इसी कारण बैठक में इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक सजा सज्जा तथा ग्रामों से आने वाली लघु शोभायात्राओं, धन संग्रहआदि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। श्री जन्मोत्सव समिति नागरिकों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

पूर्व सीएम शिवराज बोले

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जादूगर

- कहा- जीतू न जाने कैसा जादू करते हैं सब गायब हो जाते हैं, छिंदवाड़ा वाले गायब होते-होते रह गए

भोपाल (नप्र)। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार सुबह चुनाव प्रचार पर जाने से पहले भोपाल में अपने निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कांग्रेस पर कई आरोप लगाए। शिवराज ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर कटाक्ष करते हुए कहा- वे न जाने कैसा जादू करते हैं सब गायब हो जाते हैं। छिंदवाड़ा वाले गायब होते-होते रह गए। इससे पहले पूर्व सीएम शिवराज ने कहा- कांग्रेस के नेता बार-बार ये रट लगा रहे है कि लोकतंत्र खतरे में है। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सरकार हमारे नेताओं को जेल भेज रही है। मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि जब मैं 17 साल का था तब मुझे जेल भेजा गया था, तब किसने लोकतंत्र की हत्या की थी ? पहले नेता कितना बड़ा भी भ्रष्टाचार कर दे उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती थी। लोगों के बीच ये धारणा बन गई थी, लेकिन पीएम मोदी के राज में जो कोई अपराध करेगा वो जेल जाएगा।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

शिवराज सिंह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अजीबोगरीब बयान दे रहे है। राहुल गांधी कह रहे है कि यदि बीजेपी आई तो देश जल जाएगा। उन्हें बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस देश को जलाएंगी। राहुल पहले भी कहते थे कि धारा 370 हटाई तो कश्मीर जल जाएगा, लेकिन पत्ता भी नहीं खड़का, क्या सोनिया राहुल के बयान से सहमत है, बताएं ?

जीतू पटवारी कर रहे हैं जादू

भाजपा जॉइन कर रहे विपक्ष के नेताओं पर शिवराज सिंह ने कहा कि भाजपा पुनः निर्माण का आंदोलन है। देश की सेवा के लिए जो भी साथ आना चाहता है स्वागत है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की बीते एक सप्ताह से राजनीतिक कार्यक्रमों में नजर नहीं आने और बड़े नेताओं के चुनाव प्रचार से दूरी बनाने के सवाल पर शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी न जाने कैसा जादू करते हैं सब गायब हो जाते हैं। छिंदवाड़ा वाले गायब होते-होते रह गए। कांग्रेस में कौन बचेगा इसका कोई ठिकाना मुझे लगता नहीं है। अब वो ढूंढे कहां हैं उमंग जी।

इंडी गंठबंधन कभी एक नहीं हो सकता

भोपाल में होने वाली इंडी गठबंधन की बैठक पर उन्होंने कहा- इस दिल के टुकड़े हजार हुए कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा। ये तो बनने से पहले ही टूटते रहते हैं। आप संजय निरुपम के बयान पढ़ लो, आप उद्धव ठाकरे जी के बयान पढ़ लो, आप ममता जी की दहाड़ सुन लो कांग्रेस को देख कर ये आपस में ही भिड़े हैं इनके पास नीति, नेता, नेतृत्व कुछ भी नहीं है और नियत भी ठीक नहीं है। ये तो समान स्वार्थों के आधार पर ही मारे जाएंगे। इसलिए तमाम भ्रष्टाचारी इक्कठे रहे हैं। इनके दिल कभी एक नहीं थे न विचार एक हैं।

आज आएगा लाड़ली बहना का पैसा

लाड़ली बहना योजना पर उन्होंने कहा- मैं मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई देता हूं उन्होंने कहा था कोई योजना बंद नहीं होगी। योजना बंद नहीं हुई। आज फिर बहनों के खाते में पैसे डाले जाएंगे। इस योजना से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं।

कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठे वादे करती है। उनके वादे झूठे है वो कभी कोई वादा पूरा नहीं करती। बीजेपी रिपोर्ट कार्ड और रोड मैप को लेकर जनता के बीच जा रही है। भाजपा जल्द ही एक सशक्त घोषणा पत्र लाएगी, काम चल रहा है। वहीं लाड़ली बहना योजना की राशि को लेकर भी शिवराज सिंह ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज फिर लाड़ली बहनों के खाते में पैसे आएंगे। ऐसी योजनाएं हमेशा चलती रहनी चाहिए।

खजुराहो से सपा प्रत्याशी का नामांकन रिजेक्ट

- फॉर्म में नहीं लगाए जरूरी दस्तावेज; हाईकोर्ट जाने की तैयारी में मीरा यादव

पन्ना (नप्र)। खजुराहो लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी मीरा दीपनारायण यादव का नामांकन फॉर्म रिजेक्ट हो गया है। फॉर्म पर निश्चित जगह हस्ताक्षर नहीं करने और पुरानी नामावली लगाने के चलते पन्ना जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार मिश्रा ने यह फैसला लिया है। नामांकन रद्द होने के खिलाफ सपा प्रत्याशी मीरा यादव हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रही हैं। उनके पति और पूर्व विधायक दीपनारायण यादव ने कहा, हमारा फॉर्म निरस्त कर दिया गया है। दो कमी बताई गईं- पहली.. वोटर लिस्ट की सर्टिफाइड कॉपी पुरानी लगी है। दूसरी... दो जगह साइन की बजाय एक ही जगह साइन हैं। उन्होंने बताया कि हमने 2 अप्रैल को सर्टिफाइड कॉपी के लिए अप्लाई किया था, जो 3 अप्रैल को भी नहीं मिली। इस स्थिति में जो सर्टिफाइड कॉपी उपलब्ध थी, उसे लगा दी। अगर वह कॉपी खराब दिख रही थी तो हमें बताते। हम फिर कॉपी उपलब्ध करा देते। जो कमी थी, उसे कल बताते तो हम उसे पूरा कर सकते थे। अब हम हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और निर्वाचन आयोग जाएंगे।

सपा ने मनोज यादव का टिकट काटकर मीरा यादव को बनाया था प्रत्याशी

सपा ने 31 मार्च को खजुराहो सीट पर मनोज यादव को प्रत्याशी बनाया था। इसके दो दिन बाद ही 2 अप्रैल को उनका टिकट काटकर मीरा यादव को उम्मीदवार बनाया गया। उन्होंने दूसरे चरण के नामांकन के आखिरी दिन 4 अप्रैल को पर्चा दाखिल किया था। खजुराहो सीट कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत सपा के लिए छोड़ी थी। यहां बीजेपी ने मौजूदा सांसद और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। खजुराहो सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

रिटर्निंग ऑफिसर ने रिजेक्शन की ये वजह बताई

खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर व पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने मीडियाकर्मियों को मीटिंग हॉल में बुलाया। हालांकि, कैमरे और मोबाइल नहीं लाने दिए गए। उन्होंने सपा प्रत्याशी के नामांकन फॉर्म के रिजेक्ट होने की 2 वजहें बताई हैं। उन्होंने कहा, च्सपा प्रत्याशी मीरा यादव ने अपने नामांकन फॉर्म में सत्यापित मतदाता सूची संलग्न नहीं की थी।

शहर में पढ़ी गई अलविदा जुमा की नमाज

रमजान के आखरी जुमे पर खुदा की बारगाह में दुआ के लिए उठे लाखों हाथ

भोपाल (नप्र)। भोपाल में शुक्रवार को रमजान के आखिरी जुमा (अलविदा जुमा) मौके पर अलविदा जुमा की विशेष नमाज अदा की गई। इस दौरान शहर भर की मस्जिदों में अकीदत के सजदों से अलविदा जुमा सजा हुआ नजर आया। राजधानी भोपाल की सभी छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाज के बाद खुदा की बारगाह में हाथ उठाकर लोगो ने अमन चैन की दुआएं मांगी। छोटी ईद के रूप में मनाए जाने वाले अलविदा जुमा के मौके पर नमाज से पहले शहर की जामा मस्जिद, मोती मस्जिद,ताजुल मसाजिद आदि मस्जिदों में हुई विशेष तकरीरो में उलमाओं ने धर्मवलंबियों से गरीब और जरूरतमंद लोगों का ध्यान रखते हुए सभी को साथ रखकर त्योहार मनाने की अपील की।

क्या है अलविदा जुमा

अलविदा जुमे की नमाज को लेकर मस्जिदों में एक अलग ही रौनक देखने को मिलती है। मस्जिदों में इसके लिए खास तैयारी की जाती है। सभी लोग नए वस्त्र पहनकर नमाज अदा करने के लिए जाते हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी लोग इस दिन मस्जिदों में इबादत करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि अलविदा जुमे में नमाज अदा कर लोग जो जायज दुआ मांगते हैं वह पूरी होती है। साथ ही अल्लाह की रहमत और बरकत मिलती है। साथ ही व्यक्ति को अपने गुनाहों की माफी मिलती है।

भोपाल से जुड़े 5 जिले, 19 सीमाओं पर चेकिंग

अवैध शराब, रुपए लाने ले जाने पर नजर रखेंगे ; 24 घंटे तैनात रहेगी पुलिस

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव को देखते हुए अगले 1-2 दिन में भोपाल जिले से जुड़ी 19 सीमाओं पर सुरक्षा का कड़ा घेरा रहेगा। हर गाड़ी की जांच होगी, ताकि कोई अवैध शराब या रुपयों का परिवहन न कर सके। यहां 24 घंटे पुलिस भी तैनात रहेगी। वहीं, एसडीएम, तहसीलदार और स्पेशल टीमें भी घूमेगी। भोपाल से 5 जिले- रायसेन, सीहोर, विदिशा, गुना और राजगढ़ की 19 सीमाएं लगती हैं। इनमें 6 सीमाएं शहरी क्षेत्र में हैं, जबकि 13 ग्रामीण क्षेत्रों में लगती हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान इन सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था और चेकिंग के लिए जिला प्रशासन ने पुलिस के साथ प्लान तैयार किया है। इस बारे में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह सभी जिलों के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी कर चुके हैं।

शहर से ये सीमाएं जुड़ी

टोल नाके के पास बायपास तिराहा
हिनोतिया बीएसएफ रोड
फंदा टोल नाका खजूरी सड़क
गोल जोड़
रातीबड़ चौराहा
11 मील चौराहा मिसरोद
ग्रामीण क्षेत्रों में ये सीमाएं
परवलिया सड़क थाने के सामने
सोराहा से आगे बैरसिया
विदिशा रोड बैरसिया
रामपुर बालाचोन

जूना पानी
कलारा
ग्राम उनिदा
सूरजपुरा जोड़
पार्वती पुल मेंगरा नवीन
बीलखों
डय्यन
बिलखिरिया पेट्रोल पंप के सामने
ग्राम देहरी

सबसे ज्यादा 11 सीमाएं बैरसिया में

सबसे ज्यादा 11 सीमाएं बैरसिया विधानसभा में बनाई जाएंगी। इसके बाद हुजूर में 5 सीमाएं रहेंगी। नरेला में भी 3 सीमाएं हैं। इस तरह 3 विधानसभाओं में ही 19 सीमा चौकियां बनाई जाएगी। गोविंदपुरा, भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य और भोपाल दक्षिण-पश्चिम में कोई सीमाएं नहीं हैं। ये विधानसभा शहर के अंदर ही है। सीहोर विधानसभा में भी करीब 5 सीमाएं बनेगी।

भोपाल लोकसभा में इतने वोटर

लोकसभा में 8 विधानसभा सीटों के 23 लाख 28 हजार 59 मतदाता वोट डालेंगे। 2019 के मुकाबले इस चुनाव में 2.26 लाख वोटर ज्यादा है। इसमें से 11 लाख 95 हजार 428 पुरुष और 11 लाख 32 हजार 454 महिलाएं व 177 थर्ड जेंडर है। खास बात यह है कि महिला और पुरुष मतदाताओं के बीच महज 63 हजार का ही अंतर है।

गोविंदपुरा विधानसभा में सबसे ज्यादा वोटर: भोपाल लोकसभा में सबसे ज्यादा वोटर वाली विधानसभा गोविंदपुरा है। यहां कुल 3.98 लाख मतदाता हैं। हुजूर में 3.78 लाख और नरेला में 3.51 लाख वोटर है। सीहोर विधानसभा में 2.23 लाख मतदाता हैं।

भोपाल-सीहोर जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र: भोपाल लोकसभा सीट में कुल 8 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इनमें भोपाल जिले की 7 और सीहोर जिले की 1 विधानसभा है। भोपाल जिले की बैरसिया, भोपाल उत्तर, भोपाल दक्षिण-पश्चिम, भोपाल मध्य, गोविंदपुरा एवं हुजूर, सीहोर जिले की एक विधानसभा सीहोर शामिल हैं।

जय भोलेनाथ भक्त मण्डल द्वारा सलकनपुर में विशाल भंडारा 13 को

व्रतधारी फलाहारी और अन्य कढ़ी चावल का प्रसादी करेंगे ग्रहण

भोपाल (नप्र)। जय भोलेनाथ भक्त मण्डल भोपाल लगातार 12 वर्षों से चैत्र नवरात्र की पंचमी पर सलकनपुर माता मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन करता आ रहा है। इसी के तहत इस वर्ष भी 13 अप्रैल पंचमी पर सलकनपुर में विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। समिति के प्रमुख सदस्य अरूण तिवारी ने बताया कि इस भंडारे में व्रतधारियों के लिए साबूदाने की खिचड़ी, साबूदाने की खीर, मट्ठा ,चाय रहेगा जबकि उपवास नही रखने वालों के लिए कढ़ी चावल की व्यवस्था की गई है। समिति के एक अन्य सदस्य मनीष पावसे ने बताया कि भोपाल से यह मण्डल एक दिन पहले ही सलकनपुर पहुंच कर भंडारे की व्यवस्था करता है। इस विशेष अवसर पर माता रानी के भक्तों के लिए भंडारे के पंडाल में माता रानी का जागरण भी होगा। समिति के सदस्य अरुण तिवारी, मनीष पावसे, अनूप बरारिया,अनिल तिवारी, मुकेश नामदेव, अज्जू सोनी, संजय सोनी, राकेश श्रीवास्तव, राजकुमार साहू, रामबाबू शर्मा, राजू सेन, गोलू, दीपक नामदेव, दीपक मालवीय, जीतू मालवीय सहित अन्य भंडारे में मौजूद रहेंगे ।

मालगाड़ी से ट्रैक्टर-ट्रॉली टकराने की सूचना से इटारसी में हड़कंप

तीन बार बजा रेलवे हूटर, 40 मिनिट में पहुंचा स्टॉफ

नर्मदापुरम (नप्र)। भोपाल रेलवे मंडल के इटारसी रेलवे जंक्शन पर रेल अधिकारी-कर्मचारियों की परीक्षा लेने के लिए मॉकड्रिल की गई। दोपहर 2.05 बजे इटारसी रेलवे स्टेशन सूचना मिली कि धर्मकुंडी रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी से ट्रैक्टर-ट्रॉली टकरा गई है। जिससे करीब 10-15 लोग घायल हुए है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे का हूटर तीन बार बजा। जिसके बाद रेलवे के तमाम अपातकाल में मौके पर पहुंचने वाला स्टॉफ रेलवे स्टेशन इटारसी पर एकत्र हुए। करीब 30 मिनिट के भीतर एआरटी यान, मेडिकल यान समेत तमाम स्टॉफ सड़क मार्ग से धर्मकुंडी रेलवे स्टेशन के पास पहुंच गए। मौके पर पहुंचने के बाद रेलवे के अधिकारी-कर्मचारियों को पता चला कि ये मॉकड्रिल थी। जिसके बाद अधिकारी-कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। हालांकि धर्मकुंडी रेलवे स्टेशन के पास फाटक हुआ करता था। जिसे ओवरब्रिज बनने के बाद बंद कर दिया गया है। लेकिन सूचना को रेलवे स्टॉफ ने गंभीरता से लिया और सभी मौके पर पहुंचे। रेलवे के जानकारों का कहना है कि रेलवे अपने अधिकारी-कर्मचारी की परीक्षा लेते है। कि अधिकारी-कर्मचारी कोई भी घटना के लिए कितने तैयार रहते है। शुक्रवार को भी मॉकड्रिल कर परीक्षा ली गई।

लालू प्रसाद यादव के खिलाफ ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट ने जारी किया वारंट

भोपाल (नप्र)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने स्थायी वारंट जारी किया है। यह वारंट साल 1995 में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हथियार सप्लाई के मामले में जारी किया गया है। पुलिस जांच में लालू प्रसाद यादव का नाम सामने आया था। सुनवाई के दौरान साल 1998 में लालू को अदालत ने फरार घोषित किया था। दरअसल, उत्तर प्रदेश की एक फर्म के संचालक राजकुमार शर्मा ने ग्वालियर की तीन आर्म्स फर्मों से फर्जीवाड़ा कर 23 अगस्त 1995 से 15 मई 1997 के बीच हथियार और कारतूस खरीदे। इन हथियारों और कारतूसों को बिहार में बेचा गया था। खरीददारों में लालू प्रसाद यादव का नाम भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि ये वही लालू प्रसाद यादव हैं, जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व रेल मंत्री रह चुके हैं। हालांकि, अदालत के रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेजों से इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी लालू प्रसाद यादव के पिता का नाम कुंद्रिका सिंह है जबकि बिहार के पूर्व सीएम के पिता का नाम कुंदन राय है। लालू के पिता का नाम केवल फरारी पंचनामे में लिखा है। मामले में कुल 23 आरोपी हैं। इनमें से 6 के खिलाफ कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। दो आरोपियों की मौत हो चुकी है जबकि 15 फरार हैं।

जबलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो का रूट बदला ; 7 अप्रैल को आएंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए सियासी घमासान की शुरुआत हो गई है। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति के हिसाब से चुनाव मैदान में उतर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 9 अप्रैल को प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। 7 अप्रैल की शाम को पीएम के रोड शो का रूट बदला गया है। पहले ये रोड शो बड़ा फुहारा से लेकर मिलोनीगंज तक होना था। लेकिन, अब ये शाम 6 बजे से 7 बजे तक कटंगा तिराहे से लेकर छोटी लाइन तक होगा।

कांग्रेस का 'न्याय-पत्र' अन्याय की गारंटी: वीडी शर्मा

भोपाल। कांग्रेस ने न्याय-पत्र नाम से अपना जो चुनाव घोषणा-पत्र जारी किया वह कांग्रेस का 'न्याय-पत्र', न्याय नहीं अन्याय की गारंटी है। अन्यायी कांग्रेस को न्याय-पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस के न्याय-पत्र का मतलब असुरक्षित महिलाएं, बेरोजगारी, किसानों पर कर्ज का बोझ, मजबूर और बेबस मजदूर, साथ ही वंचितों के साथ भेदभाव और शोषण तथा तानाशाही और दिखावे का लोकतंत्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का कार्य किया है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस के न्याय पत्र को लेकर मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मिस्टर बंटाढार के इशारे पर मिस्टर करप्शननाथ ने मध्यप्रदेश में अपने 15 माह के कुशासनकाल में मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना बंद कर गर्भवती महिलाओं को लड्डू खाने के लिए मिलने वाले 16000 रूपये डकार लिए थे। जिन कांग्रेसियों ने सरकार में रहते हुए बैगा-भारिया एवं सहरिया बहनों को अतिकुपोषण मिटाने के लिए हर मिलने वाले एक हजार रुपये पर डाका डाला हो, क्या वे महालक्ष्मी गारंटी और 1 लाख रूपये की सलाना सहायता महिलाओं को दे सकते हैं ?

रेस्टोरेंट संचालक को सड़क पर कचरा फेंकना पड़ा भारी

भोपाल के करोंद में 25 हजार रु. का जुर्माना, आज दिनभर कार्रवाई करेगी टीमें

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के करोंद स्थित मंडी गेट के पास एक रेस्टोरेंट संचालक को सड़क पर कचरा फेंकना भारी पड़ गया। नगर निगम के अमले ने संचालक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगा दिया। निगम की टीमें शहर में आज दिनभर कार्रवाई करेगी। शुक्रवार सुबह जोन-17 में यह कार्रवाई की गई।

एएचओ रामरतन लोहिया ने बताया कि मंडी गेट के बाहर 80 फीट रोड पर बांके बिहारी रेस्टोरेंट है। शुक्रवार को सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान रेस्टोरेंट संचालक को सड़क पर कचरा फेंकते हुए देखा। इसके चलते संचालक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। इस दौरान नोंकझोंक की स्थिति भी बनी। बावजूद निगम अमले ने यह कार्रवाई की।

पॉलीथिन का उपयोग करने पर भी कार्रवाई: निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने सभी एएचओ को गंदगी फैलाने और पॉलीथिन का उपयोग करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते शुक्रवार को भी टीमें मैदान में उतरेंगी और कार्रवाई करेगी।